RNI NO. RAJHIN/2013/57419

राजस्थान का सर्वाधिक ई-पेपर दैनिक

द पुलिस पोस्ट

अंदोलन नहीं अखबार

जयपुर
बुधवार
31 जुलाई, 2024

वर्ष: 10: अंक: 105

जयपुर, जैसलमेर, भीलवाड़ा से प्रसारित

दूरभाष: 01482: 433184: पृष्ठ: 08: मूल्य: 1.50 रुपए

न जात पर न पात पर, मुहर लगेगी हाथ पर', जाति मुद्दे को लेकर वित्तमंत्री का राहुल गांधी पर पलटवार

द पुलिस पोस्ट/नई दिल्ली

नेता विपक्ष राहुल गांधी की परोक्ष तौर पर जाति पूछने के दौरान की गई टिप्पणी पर मचे सियासी संग्राम से लेकर बजट के हलवा वितरण समारोह को जातिगत मुद्दे से जोड़ने पर वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन के तीखे पलटवार को लेकर लोकसभा में दूसरे दिन भी खूब घमासान हुआ। सरकार और विपक्ष के बीच चले जुबानी तीरों के इस दौर में तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद सौगत राय पर बेहद आक्रामक हमला कर वित्तमंत्री ने टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी की आधी आबादी के राजनीतिक सशक्तिकरण के एजेंड़े पर भी चोट करने की कोशिश की। वित्तमंत्री के बजट पर जवाब के दौरान तो पक्ष-विपक्ष के बीच तकरार के कई दौर आए मगर सबसे तीखा संग्राम भाजपा नेता अनुराग ठाकुर का राहुल गांधी पर बेहद कटु निजी हमले को लेकर हुआ। जातिगत जनगणना पर राहुल गांधी की सोमवार की टिप्पणी पर लक्ष्य करते हुए नाम लिए बिना अनुराग ने कहा ''जिसकी जाति का पता नहीं, वो जाति जन गणना की बात करता है।''

भारी हंगामे के बीच राहुल गांधी ने कह दी ये बात

कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष अनुराग की इस टिप्पणी पर भड़क गया। भारी हंगामे के बीच राहुल गांधी ने कहा कि अनुराग ठाकुर ने उनका अपमान किया और आप जितना अपमान करना है रोज करिए मगर हम जाति जनगणना करा कर रहेंगे। भाजपा सदस्यों ने भी इस पर जवाबी शोर करते हुए राहुल पर टीका-टिप्पणियां की और केंद्रीय मंत्री जदयू नेता राजीव रंजन सिंह ललन ने तो नेता विपक्ष के खिलाफ एक बेहद कड़वी निजी टिप्पणी कर डाली जिसके खिलाफ नारेबाजी करते हुए कांग्रेस के सांसद वेल में पहुंच गए।

हलवा समारोह की तस्वीर पर दिया वित्तमंत्री ने जवाब

हलवा समारोह की तस्वीर में एससी-एसटी-ओबीसी के नहीं होने की राहुल की टिप्पणी पर जवाबी वार करते हुए निर्मला सीतारमन ने कहा कि इस परंपरा की पवित्रता को राजनीतिक नजरिए से देखने से पहले अपने घर में झांक लेना चाहिए। इसके बाद वित्तमंत्री ने राजीव गांधी फाउंडेशन के नौ और राजीव गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट के पांच लोगों में से एक भी एसी-एसटी नहीं होने का दावा करते हुए दूसरों पर वार करने से पहले अपना ट्रैक रिकार्ड देखने की नसीहत दी। इसी क्रम में वित्तमंत्री ने ओबीसी आरक्षण का विरोध करने का कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी के राजनीतिक रूख का जिक्र किया।

'जिनके दादा-परदादा ने आरक्षण का विरोध किया...'

''न जात पर न पात पर, मुहर लगेगी हाथ पर'' के नारे का उल्लेख कर वित्तमंत्री ने राहुल गांधी पर निजी हमले करते हुए कहा कि जिनके दादा-परदादा ने आरक्षण का विरोध किया वे आज जाति जनगणना के हिमायती बन रहे हैं। राज्यों के साथ भेदभाव के आरोपों पर भी वित्तमंत्री ने कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष पर निशाना साधा मगर तृणमूल के वरिष्ठ सांसद सौगत राय की बजट चर्चा के दौरान उनके हावर्ड-ऑक्सफोर्ड से पढ़ा नहीं होने की टिप्पणी को लेकर जबरदस्त हमले किए। निर्मला ने कहा कि ममता बनर्जी भी देश के विश्वविद्यालय में ही पढ़ी हैं और वे एक मजबूत तेवरों वाली नेता हैं मगर राय की यह टिप्पणी की वे देश में पढ़ी हैं और इसलिए उनके पास नए विचारों की कमी है, उनकी महिला विरोधी मानसकिता को दर्शाता है और यह शर्मनाक है।

तृणमूल ने सदन से किया वाकआउट

भाजपा और तृणमूल सांसदों के बीच इस पर काफी तीखी झड़प और हंगामा हुआ जिसमें कांग्रेस सदस्यों ने भी खड़े होकर अपने विपक्षी सहयोगी का साथ दिया। अभिषेक बनर्जी, कल्याण बनर्जी और सौगत राय इस पर अपना जवाब देने की मांग करते रहे मगर स्पीकर ने इसे नजरअंदाज कर दिया तो विरोध में तृणमूल ने वित्तमंत्री का जवाब खत्म होने से कुछ मिनट पहले सदन से वाकआउट किया। हालांकि कांग्रेस समेत आइएनडीआइए के अन्य तमाम सांसद सदन में ही बैठे रहे।

ठाकुर का सवाल- घोटालों का हलवा किसने किसने खाया?

बजट हलवा समारोह पर राहुल की टिप्पणी के जवाब में ठाकुर ने बोफोर्स, सीडब्ल्यूजी, 2जी, चारा, यूरिया, कोयला, जीप और नेशनल हेराल्ड सहित कई घोटालों का जिक्र किया। उन्होंने पूछा, घोटालों का हलवा किसने खाया और आश्चर्य जताया कि यह मीठा था या फीका। जब उन्होंने विभिन्न घोटालों का जिक्र किया तो सत्ता पक्ष के सदस्यों ने 'कांग्रेस-कांग्रेस' के नारे लगाए। केंद्र सरकार पर 'चक्रव्यूह' वाले कटाक्ष के लिए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए, भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा राहुल ने विपक्ष के नेता की अपनी स्थिति को 'प्रचार के नेता' के रूप में गलत तरीके से समझा है। उन्होंने कहा, कमल का एक पर्यायवाची शब्द राजीव (राहुल गांधी के पिता और पूर्व प्रधानमंत्री का नाम) है। ठाकुर ने पूछा, आपने कमल को हिंसा से जोड़ा, तो क्या इसका मतलब यह है कि आप राजीव को भी हिंसा से जोड़ते हैं? राहुल ने सोमवार को 'चक्रव्यूह' रूपक का इस्तेमाल करते हुए दावा किया कि चारों ओर भय का माहौल है और छह लोगों का एक समूह पूरे देश को 'चक्रव्यूह' में फंसा रहा है। उन्होंने कहा था कि 'चक्रव्यूह' को कमल (भाजपा का चुनाव चिह्न) की संरचना के समान होने के कारण 'पद्मव्यूह' भी कहा जाता है।

मेरे लिए अपशब्द कहे लेकिन मुझे माफी नहीं चाहिएः राहुल

द पुलिस पोस्ट/नई दिल्ली

लोकसभा में मानसून सत्र के दौरान केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच जाति जनगणना को लेकर तीखी बहस छिड़ गई। इस दौरान विपक्षी गठबंधन इंडिया के सांसदों ने सदन में सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं पर निशाना साधा।

अनुराग ठाकुर का राहुल पर निशाना

इससे पहले अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को पता होना चाहिए कि एलओपी का मतलब लीडर ऑफ अपोजीशन (नेता प्रतिपक्ष) होता है, लीडर ऑफ प्रोपेगेंडा नहीं। लोकसभा में जाति जनगणना पर कांग्रेस के रुख पर सवाल उठाते हुए भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी को एक्सीडेंटल हिंदू बताते हुए कहा कि उनकी महाभारत को लेकर जानकारी भी ऐसी ही है। इस पर कांग्रेस सदस्य लोकसभा में हंगामा करने लगे और आसन के समक्ष आ गए। इसके बाद अनुराग ठाकुर ने कहा, 'मैंने कहा था कि जिन्हें जाति का पता नहीं, वे जाति जनगणना की बात करते हैं। मैंने किसी का नाम नहीं लिया था लेकिन, जवाब देने के लिए कौन खड़े हो गए।'

'सदन में किसी को भी किसी व्यक्ति की जाति पूछने का अधिकार नहीं'

इसके जवाब में जगदंबिका पाल ने कहा, 'राहुल गांधी जी मैं इस समय कुर्सी पर बैठा हूं, अगर सदन में किसी के लिए अपशब्द कहे गए हैं, तो मैं इस मामले को देखूंगा।' कार्यवाही की अध्यक्षता कर रहे जगदंबिका पाल ने अनुराग ठाकुर की जाति संबंधी टिप्पणी को कार्यवाही से हटाने का निर्देश दिया। उधर, सपा नेता अखिलेश यादव ने भी ठाकुर के बयान पर सवाल उठाए और कहा कि आप किसी की जाति कैसे पूछ सकते हैं? इस पर अध्यक्षता कर रहे जगदंबिका पाल ने कहा, सदन में किसी को भी किसी व्यक्ति की जाति पूछने का अधिकार नहीं है।

राहुल गांधी ने क्या कहा?

इसके बाद सदन में विपक्षी गठबंधन इंडिया के सदस्यों ने वेल में आकर शोर मचाना शुरू कर दिया। जिस समय यह हंगामा चल रहा था सभापति की कुर्सी पर पीठासीन सभापति के रूप में जगदंबिका पाल बैठे थे। हंगामे के बीच जगदंबिका पाल में राहुल गांधी को बोलने का मौका दिया। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा, 'सभापति महोदय, जो भी इस देश में दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों की बात उठाता, जो भी उनके लिए लड़ता है, उसे अपशब्द सुनने पड़ते हैं। मैं इन अपशब्दों को खुशी से स्वीकार करूंगा। जिस प्रकार महाभारत में अर्जुन का निशाना सिर्फ मछली की आंख पर था, उसी तरह मुझे जाति जनगणना दिख रही है और जाति जनगणना हम हर हाल में कराएंगे।' इसके बाद राहुल में सत्तारूढ़ दल से कहा, 'आपको जितने अपशब्द कहने हैं, कह दीजिए। हम खुशी से स्वीकार करेंगे।' राहुल गांधी ने आगे कहा, 'अनुराग ठाकुर ने मेरे लिए अपशब्द कहे हैं मगर मैं उनकी तरफ से कोई माफी नहीं चाहता हूं, मुझे माफी की जरूरत नहीं है। मैं अपनी लड़ाई लड़ रहा हूं।'

पीएम मोदी ने अनुराग ठाकुर के भाषण को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुराग ठाकुर के लोकसभा में दिए भाषण का लिंक सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने इसमें लिखा कि हमारे युवा सांसद का यह भाषण जरूर सुनना चाहिए। इसमें तत्यों और हास्य के साथ इंडी गठबंधन की गंदी राजनीति को बेनकाब किया गया है।

अंकल सैम लिखते हैं राहुल के भाषण- ठाकुर

ठाकुर ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के भाषण 'अंकल सैम' लिखते हैं। उनका इशारा सैम पित्रोदा की तरफ था। राहुल गांधी 'कूल डूड' बनने की कोशिश में भाषण देने के लिए 'उधार की बुद्धि' का इस्तेमाल कर रहे हैं। ठाकुर ने यह भी कहा कि रील नहीं बल्कि रियलटी ही एक असली राजनेता बनाती है।

जितनी गाली देनी है खुशी से रोज दीजिए- राहुल

राहुल ने कहा कि आपको जितनी गाली देनी है खुशी से रोज दीजिए मगर महाभारत में अर्जुन को जिस तरह केवल मछली की आंख दिख रही थी उसी तरह उन्हें जाति जनगणना दिखाई दे रही है। आसन ने जातिगत टिप्पणी को रिकार्ड से निकालने की बात कही तब अनुराग ने सफाई दी कि अपनी टिप्पणी के दौरान उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। मगर नेता विपक्ष पर निजी हमले को लेकर आक्रोशित अखिलेश यादव ने अनुराग ठाकुर पर प्रहार करते हुए कहा कि आप किसी की जाति कैसे पूछ सकते हैं और सदन में ऐसा करने की हिम्मत कैसे हुई। पक्ष-विपक्ष के घमासान का दूसरा चरण वित्तमंत्री के हमलवार तेवरों के नाम रहा।

कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल पर एक्शन, दो दिन विधानसभा की कार्यवाही में नहीं ले सकेंगे हिस्सा

द पुलिस पोस्ट/जयपुर

राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को सदन में बड़ा एक्शन लिया। उन्होंने फैसला सुनाया कि वरिष्ठ कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री शांति धारीवाल दो दिन तक सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं ले पाएंगे, हालांकि वह सदन में आ सकेंगे। इससे पहले धारीवाल ने कुछ दिन पहले सदन में 'अपशब्द' बोलने के लिए मंगलवार को खेद प्रकट किया। उन्होंने शुक्रवार शाम सदन में कतिपय 'अपशब्द' का इस्तेमाल किया था और सभापति संदीप शर्मा के लिए 'धमकाने वाले' शब्दों का इस्तेमाल किया था। अध्यक्ष देवनानी ने इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के कुछ सदस्यों को सुनने के बाद मंगलवार व्यवस्था दी। उन्होंने धारीवाल से कहा,'आप आज और कल विधानसभा में आएंगे, लेकिन सदन की कार्यवाही में भाग नहीं ले सकेंगे।'

देवनानी बोले- ऐसे असंसदीय आचरण को बर्दाश्त नहीं करूंगा...

देवनानी ने कहा कि वह धारीवाल द्वारा माफी मांगने एवं अन्य विधायकों की भावना का आदर करते हुए यह व्यवस्था दे रहे हैं। उन्होंने कहा,'बाकी मेरी तो इच्छा थी कि ऐसे आचरण के बाद उनको अगले चार साल तक भी सदन का सदस्य बने रहने का कोई हक नहीं है।' उन्होंने कहा,'मेरी यह अंतिम चेतावनी है कि भविष्य में मुझे इस प्रकार के आचरण के लिए कठोरतम कार्यवाही करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा । मैं अध्यक्ष रहते हुए ऐसे असंसदीय आचरण को बर्दाश्त नहीं करूंगा।'

शांति धारीवाल ने सदन में मांगी माफी

इससे पहले नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने धारीवाल की असंसदीय भाषा के लिए सदन में माफी मांगी। डोटासरा ने कहा कि इस्तेमाल किए गए शब्द असंसदीय थे और सदन की गरिमा के अनुरूप नहीं थे लेकिन ऐसा जानबूझकर सदन को बाधित करने के लिए नहीं किया गया था। बाद में धारीवाल ने अपने बयान के लिए माफी मांगते हुए कहा, 'मैं सिर झुकाकर खेद प्रकट करता हूं और सदन से माफी मांगता हूं।' उन्होंने कहा,'मैं 40 साल से जनता द्वारा चुना जाता रहा हूं। मैंने हमेशा इस आसन को सर्वोच्च माना है। आसन का अपमान करने का मेरा कोई इरादा नहीं है। मैं अपनी गलती स्वीकार करता हूं।' इसके बाद अध्यक्ष देवनानी ने अपना फैसला सुनाया।

विधायक श्रीचंद कृपलानी ने उठाया यह मुद्दा

देवनानी ने शुक्रवार रात को व्यवस्था दी कि वह धारीवाल द्वारा द्वारा कथित तौर पर 'अपशब्द' बोले जाने के मामले में सोमवार को निर्णय देंगे। उन्होंने कहा था,' ऐसी इस सदन की परंपरा नहीं रही है ... मैं इस पर परसों खुद पूरा वीडियो देखकर चर्चा कर, संसदीय मंत्री एवं बाकी से चर्चा कर अपना निर्णय दूंगा।' आज इससे पहले भारतीय जनता पार्टी के विधायक श्रीचंद कृपलानी ने यह मुद्दा उठाया और कहा कि अनुदान मांगों पर बहस के दौरान धारीवाल ने 'अपशब्द' का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की असंसदीय भाषा से राजस्थान विधानसभा की गरिमा गिरी है। उन्होंने कांग्रेस विधायक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

वायनाड भूस्खलन में 123 लोगों की मौत, 4 गांव पूरी तरह से तबाह, कीचड़ में मिल रहे लोगों के अंग

द पुलिस पोस्ट

केरल के वायनाड में मंगलवार को भारी बारिश के कारण अल सवेरे बड़े पैमाने पर हुए भूस्खलन में चार गांव पूरी तरह तबाह हो गए। कम से कम 123 लोगों की मौत हो गई जबकि सैकड़ों लोग जख्मी हुए हैं। अभी भी काफी संख्या में लोगों के मलबे में फंसे होने का अंदेशा हैं। सेना व बचाव दल युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हैं। इस प्राकृतिक आपदा की विभीषिका का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बचावकर्मियों को नदियों और कीचड़ से लोगों के क्षत-विक्षत अंग मिल रहे हैं।

चारों तरफ सिर्फ बर्बादी का मंजर

त्रासदी में मारे गए लोगों की सही संख्या का पता लगाना अभी बड़ा मुश्किल है। प्राकृतिक सौंदर्य को समेटे रहने वाले इस पहाड़ी क्षेत्र में अब चारों तरफ दिख रहा है तो सिर्फ और सिर्फ बर्बादी का मंजर। इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने केरल के सीएम पी विजयन से बात की और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

सो रह थे लोग... दरवाजे पर आ गई मौत

भूस्खलन प्रभावित इलाकों में वायनाड के मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टमाला और नूलपुझा गांव शामिल हैं। मंगलवार की अल सुबह पहाड़ी दरकने की घटनाएं उस समय हुई जबकि लोग गहरी नींद में थे। पहला भूस्खलन देर रात करीब दो बजे हुआ और उसके बाद तड़के साढ़े चार बजे अगला भूस्खलन हुआ। भारी बारिश और भूस्खलन के कारण काफी संख्या में मकान नष्ट हो गए, जलाशयों में पानी भर गया और पेड़ उखड़ गए। भारतीय सेना समेत बचाव दल फंसे हुए लोगों को निकालने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के अलावा राज्य सरकार ने भी प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस और अग्निशमन बल से आपदा प्रतिक्रिया दल तैनात किए हैं।

केंद्रीय मंत्री भी वायनाड के लिए रवाना

वायुसेना के हेलीकॉप्टर भी बचाव व राहत कार्य में जुटे हैं। उधर, केंद्रीय राज्य मंत्री जार्ज कुरियन राहत और बचाव अभियान का नेतृत्व करने के लिए वायनाड पहुंच रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर मंत्री अभियान में राष्ट्रीय आपदा राहत बल के कर्मियों, अर्धसैनिक बलों, केरल सरकार के अधिकारियों और अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय करेंगे।

मेरठ से भेजे गए प्रशिक्षित कुत्ते

राहत एवं बचाव कार्य के लिए मेरठ से सेना की विशिष्ट श्वान इकाई के विशेषज्ञ प्रशिक्षित कुत्ते भी वायनाड के लिए रवाना हो चुके हैं। ये कुत्ते मानव अवशेषों और यहां तक कि मिट्टी के नीचे दबे लोगों की सांसों की हल्की सी गंध को भी सूंघ सकते हैं। ध्वस्त हो चुके घरों और मलबे के ढेर के नीचे फंसे लोगों द्वारा मदद की गुहार लगाने के लिए किए जा रहे फोन प्राकृतिक आपदा की भयावह तस्वीर को बयां कर रहे हैं। रोते हुए लोगों द्वारा खुद की जान बचाने की गुहार लगाए जाने की वीडियो और तस्वीरें इंटरनेट मीडिया पर भी चलीं। आपदा प्रभावित लोग या तो अपने घरों में फंसे हुए थे या बाढ़ और बह गए पुलों के कारण उनके पास आने-जाने का कोई रास्ता नहीं था। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने बताया कि उत्तरी वायनाड जिले में हुए भीषण भूस्खलन में 123 लोगों की मौत हो गई और करीब 128 लोग घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री के मुताबिक भूस्खलन के कारण सैकड़ों लोग मलबे में फंस गए और कई लोग बह गए। सूत्रों ने बताया कि मृतकों में कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। भूस्खलन में घायल हुए कई लोगों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

जनता निजी खर्चे से कर रही सरकारी सड़क पर पेच वर्क

10 महीने पहले बनी सी सी सड़क पर दो बार हो चुका है पैच वर्क, नाले के पास बैठी सड़क

द पुलिस पोस्ट

गंगापुर रामप्रसाद माली नगर पालिका गंगापुर के द्वारा 10 महीने पूर्व बनाई गई सी सी सड़क पर दो बार पेच वर्क हो चुका है सड़क बनने के एक महीने बाद ही सड़क पर अनेक गड्ढे हो गए थे शिकायत करने पर तुरंत प्रभाव से पैच वर्क करा दिया गया परंतु नगर पालिका द्वारा कराए गए सड़क निर्माण और पेच पर कार्य की गुणवत्ता का स्तर देखिए इस सड़क पर पुनः खड्डे हो गए हैं बार-बार शिकायत करने के बाद भी पैच वर्क नहीं कराए जाने के कारण दुकानदार स्वयं अपने निजी खर्चे से सरकारी सड़क पर पैच वर्क करा रहे हैं मामला नगर पालिका भवन से 20 फीट की दूरी पर वार्ड नंबर 10 में होटल मंथन के बाहर बनी सी सी सड़क का है अभी कुछ दिन पूर्व ही सीमेंट से भरा ट्रैक्टर सीसी सड़क के जमीन में धस जाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया था गनीमत रही जनहानि नहीं हुई जानकार लोग बताते हैं कि वर्तमान नगर पालिका बोर्ड अब तक का सबसे घटिया कार्यकाल बोर्ड रहा है जिसमें जन समस्याओं की तरफ कोई भी जिम्मेदार गंभीरता से ध्यान नहीं दे रहा है भ्रष्टाचार ,सरकारी जमीनों पर अवैध अतिक्रमण ,अधूरे निर्माण और टूटी हुई सड़कों ,नालियों आदि के संबंध में शिकायतों के बावजूद भी कोई कार्यवाही नहीं होती हैं

सार्वजनिक वीर भगवान चौंक ट्रान्सफर के पास बना पार्किंग दुर्घटना की बन रही है संम्भावना

द पुलिस पोस्ट

सिरोही, शीतला माता मंदिर के पास स्थित वीर भगवान सार्वजनिक चौंक पर विधृत ट्रांसफर के पास सटाकर की जा रही गाड़ियों की पार्किंग कभी किसी बड़े हादसा होने से इंकार नहीं किया जा सकता परिवहन विभाग के नियमों अनुसार गाड़ीयों का रजिस्ट्रेशन वाहन मालिकों के निजी पार्किंग की जगह सुनिश्चित होने पर ही किया जाता है अपने घरों निजी तौर पर बिना पार्किंग वाले वाहन मालिकों द्वारा अपने दुपहिया वाहनों समेत कार जीप व बड़े वाहनों को सार्वजनिक भूमि पर यहां तक कि छोटी सकडी गली मोहल्लों सड़कों पर करने से आवागमन तो बाधित होता ही है लेकिन इन वाहनों के अवैध पार्किंग के कारण गली मोहल्लों सड़कों पर पर्याप्त सफाई भी नहीं हो पाती है वीर भगवान के सार्वजनिक चौंक पर अवैध रूप से वाहनों की पार्किंग आम लोगों के आवागमन में बांधा उत्पन्न कर दी उससे भी बड़ी चिंता लोगों को सताने लगी कि बिना सुरक्षा दिवार वाले विधृत ट्रांसफर के पास गाड़ीयों का जमावड़ा किसी बड़े हादसे को अंजाम दे सकता है वीर भगवान सार्वजनिक चौंक घनी आबादी वाला क्षेत्र है और विधृत ट्रांसफर के पास सार्वजनिक चौंक पर गाड़ियों का पार्किंग जानमाल का नुकसान पहुंचा सकता है अनेकों बार विधृत ट्रांसफरो में तकनीकी खराबी अथवा अत्यधिक दवाब गर्मी में आग लगती देखी जा रही है नगर परिषद विधृत विभाग इस पर ध्यान दें।

भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल को लोकसभा में भाजपा पार्टी की और से व्हिप की जिम्मेदारी

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल को बीजेपी ने लोकसभा में पार्टी व्हिप की जिम्मेदारी दी है ।। सांसद प्रवक्ता विनोद झुरानी ने बताया की यह खबर मिलते ही जिले भर में हर्षोल्लास छा गया। कार्यकताओं ने मिठाई बाँटकर खुशी का इजहार किया। सभी भाजपा कार्यकर्ता व जिलेवासी अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे है । राजस्थान प्रदेश से दामोदर अग्रवाल एकलौते सांसद है जिन्हें व्हिप की जिम्मेदारी मिली है।। भीलवाड़ा जिले को लोकसभा में प्रथम बार यह अहम जिम्मेदारी मिली है।। बिहार के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष संजय जायसवाल चीफ व्हिप होंगे व उनके साथ 16 सांसदों को व्हिप की जिम्मेदारी दी गई है। । व्हिप किसी राजनीतिक दल का पदाधिकारी होता है जिसका काम विधानमंडल में पार्टी अनुशासन सुनिश्चित करना होता है

दीपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में भाजपा नेता मुकेश डागर ने थामा कांग्रेस का हाथ

द पुलिस पोस्ट

हरियाणा की राजनीति में आज एक बड़ा उलटफेर हुआ जब भाजपा नेता मुकेश डागर ने कांग्रेस पार्टी का हाथ थाम लिया। दीपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी को मजबूती मिली है, और इस अवसर पर कई महत्वपूर्ण बातें कही गईं। मुकेश डागर, जो अब तक भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख चेहरों में से एक थे, ने आज कांग्रेस में शामिल होने की घोषणा की। उन्होंने अपने इस निर्णय को हरियाणा के विकास और राज्य की जनता की भलाई के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। कांग्रेस नेता दीपेन्द्र सिंह हुड्डा ने मुकेश डागर का स्वागत करते हुए कहा, मुकेश डागर का कांग्रेस में शामिल होना हमारे लिए गर्व की बात है। उनके अनुभव और कड़ी मेहनत से हमें विश्वास है कि हम हरियाणा में एक नए युग की शुरूआत करेंगे। इस अवसर पर कांग्रेस विधायक नीरज शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, ₹मुकेश डागर का कांग्रेस में आना यह दशार्ता है कि हमारे दृष्टिकोण और नीतियों में विश्वास बढ़ रहा है। यह कदम राज्य के विकास और उन्नति के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।" नीरज शर्मा ने आगे कहा, ₹हमारी पार्टी का उद्देश्य सदैव जनता की भलाई और उनके अधिकारों की रक्षा करना रहा है। मुकेश डागर जैसे प्रभावशाली नेता का हमारे साथ आना हमारे मिशन को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। मुकेश डागर ने अपने संबोधन में भाजपा की नीतियों और उनकी कार्यशैली पर भी प्रश्न उठाए। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भाजपा अब उन मूल्यों से भटक गई है जिसके लिए हमने काम किया था। कांग्रेस पार्टी के साथ जुड़कर मैं हरियाणा के लोगों के लिए काम करना चाहता हूँ और राज्य के विकास में योगदान देना चाहता हूँ। इस महत्वपूर्ण घटनाक्रम ने हरियाणा की राजनीति में नई हलचल मचा दी है। कांग्रेस पार्टी ने इसे अपने लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया और कहा कि आने वाले समय में और भी बड़े नेता उनके साथ जुड़ सकते हैं। कांग्रेस पार्टी ने मुकेश डागर के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह हरियाणा की राजनीति में सकारात्मक बदलाव का संकेत है। पार्टी ने इस अवसर पर मुकेश डागर को शुभकामनाएं दीं और उनके नेतृत्व में राज्य के विकास की उम्मीद जताई।

नगर पालिका सफाई कर्मियों का कार्य बहिष्कार बुधवार से,उपखंड अधिकारी को दिया ज्ञापन

द पुलिस पोस्ट

गंगापुर रामप्रसाद माली सफाई कर्मचारी भर्ती समझौता जनवरी 24 के अनुसार भर्ती एवं अन्य मांगों को लेकर नगर पालिका गंगापुर के सफाई कर्मियों ने उपखंड अधिकारी दिव्य राज सिंह चुंडावत को एवं नगर पालिका अध्यक्ष दिनेश तेली को ज्ञापन दिया अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के नगर अध्यक्ष संदीप टाँक ने बताया कि राज्यव्यापी चल रहे कार्य बहिष्कार व धरने के क्रम में गंगापुर में भी बुधवार 2:00 बजे से कार्य बहिष्कार किया जाएगा राहुल टाँक ने बताया कि कार्य बहिष्कार एवम धरना अनिश्चितकाल के लिए हो सकता है जब तक मांगे नहीं मानी जाएगी हम सभी सफाई कर्मचारी एवं श्रमिक संघ सदस्य राज्य व्यापी आंदोलन के साथ रहेंगे अमन ने बताया कि सफाई कर्मचारी समझौता जनवरी 24 के अनुसार भर्ती मस्टरोल के आधार पर जो व्यक्ति 1 साल तक काम करेगा उसे ही नियुक्ति दी जाएगी परंतु स्वायत शासन विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति 01 मार्च 2024 के अनुसार सफाई कर्मचारी भर्ती लॉटरी एवं प्रैक्टिकल के आधार पर 24797 पदों की भर्ती की जानी है वर्तमान में लॉटरी द्वारा सफाई कर्मचारी भर्ती की जा रही है उससे संपूर्ण राजस्थान का वाल्मीकि समाज आक्रोशित हैं वाल्मीकि समाज लॉटरी प्रणाली का विरोध करता है इसलिए सफाई कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारी व अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश किशन लाहौर जिला अध्यक्ष रामदेव चन्नाल ने सामूहिक निर्णय लिया कि 31 जुलाई 2024 दोपहर 2:00 बजे से नगर पालिका गंगापुर के सफाई कार्य से जुड़े सफाई जमादार व सफाई कर्मचारी गण सामूहिक अवकाश ग्रहण कर सफाई कार्य का बहिष्कार करेंगे ज्ञापन देने वालों में हीरालाल ,सूर्य प्रकाश ,सीताराम, रवि आकाश ,मुकेश ,सोनू, नारायण, संजय ,रमेश औरअनेक महिला सफाई कर्मी उपस्थित थे

गौतम ऋषि महादेव मंदिर ट्रस्ट मंडल के चुनाव को लेकर मीना समाज की बैठक का आयोजन

न्यायालय के दिशा निर्देश के अनुसार उपखंड अधिकारी की देखरेख एवं अंतरिम प्रबंधन कमेटी के सहयोग से संपन होंगे चुनाव

बैठक में मीना समाज के लोगों को चुनाव से संबंधित आवश्यक जानकारी दी

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज। मीना समाज के आराध्य गौतम ऋषि महादेव मंदिर ट्रस्ट मंडल के चुनाव को लेकर सोमवार को मीना समाज की बैठक का आयोजन नगर पालिका के सभागार में उपखंड अधिकारी शकुंतला चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मीना समाज के लोगों को न्यायालय के आदेश पर ट्रस्ट के विधान अनुसार चुनाव संपन करवाए जाने की जानकारी दी। बैठक में समाज के दो गुटों में से केवल एक ही गुट भाग ने भाग लिया। जानकारी के अनुसार बैठक में भारी संख्या में उपस्थित मीना समाज के लोगों को उपखंड अधिकारी चौधरी ने न्यायालय के आदेशानुसार गौतम ऋषि मंदिर ट्रस्ट की अंतरिम प्रबंधन कमेटी के सहयोग से ट्रस्ट मंडल के विधान के अनुसार संपन करवाने, इसके लिए आवश्यक सदस्य जो मतदाता होंगे की चयन सूची व अंतरिम कमेटी के सहयोग से चुनाव संपन्न करवाने की जानकारी दी। इसके पहले बैठक में चुनाव संबंधी प्रक्रिया को लेकर समाज के लोगों ने उपखंड अधिकारी से चर्चा भी की। उपखंड अधिकारी ने कहा कि चुनाव न्यायालय के दिशा निर्देश के आधार पर ही करवाए जाएंगे। हालांकि इस बैठक में समाज के दोनों पक्षों को बुलाया गया था, लेकिन एक गुट के लोग ही उपस्थित रहे। बैठक में एसडीएम ने कहा कि ट्रस्ट मंडल के चुनाव करवाने के लिए शीघ्र ही विधिवत घोषणा की जाएगी। बैठक में पुलिस उप अधीक्षक भवानी सिंह इंदा, तहसीलदार श्याम सिंह चारण भी उपस्थित थे।

घर की तीसरी मंजिल से कूदकर युवती ने किया सुसाइड

भाई ने युवक पर धमकी और मैसेज भेजकर ब्लैकमेल करने के लगाए आरोप

द पुलिस पोस्ट

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर में शहर की एक कॉलोनी में सोमवार शाम एक युवती ने मकान की तीसरी मंजिल से कूदकर जान दे दी। युवती के भाई ने एक युवक पर युवती को ब्लैकमेल करने के आरोप लगाए हैं। इस संबंध में युवती के भाई ने एक युवक के खिलाफ जवाहर नगर थाने में मामला दर्ज करवाया है।

इसमें आरोप लगाया गया है कि युवक के भेजे मैसेज और धमकियों से परेशान होकर युवती ने जान दे दी। आरोपी के खिलाफ युवती ने कुछ समय पहले किडनैप और रेप का मामला दर्ज करवाया था। इस मामले में जमानत मिलने के बाद से आरोपी युवती को परेशान कर रहा था। वह उसे लगातार धमकी दे रहा था और मैसेज भी कर रहा था। मृतका के भाई की ओर से दर्ज मामले में कहा गया है कि आरोपी उसकी बहन पर पत्नी की तरह उसके साथ रहने के लिए दबाव बना रहा था और ऐसा नहीं करने पर उसके फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा था।

4 माह पहले लापता हो गई थी युवती

युवती 4 माह पहले मार्च में घर से लापता हो गई थी। उस समय उसके परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई थी। उसे कुछ दिन बाद पुलिस ने बरामद कर लिया। मई में युवती ने युवक अजय के खिलाफ बहला-फुसला कर भगा ले जाने और रेप का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवा दिया। मई में दर्ज इस मामले में युवती ने आरोप लगाया कि वह एक कोचिंग सेंटर पर पढ़ने जाती थी। वहां अजय की उससे मुलाकात हुई। अजय ने उसे कहा कि वह उसे नौकरी दिला देगा। वह उसकी बातों में आ गई और अजय उसे भगा ले गया व रेप किया।

रेप केस में किया था गिरफ्तार

युवती के मई में मामला दर्ज करवाने के बाद पुलिस ने आरोपी अजय को किडनैप और रेप के आरोप में गिरफ्तार कर लिया था। एक माह तक ज्यूडिशियल कस्टडी में रहने के बाद उसकी जमानत हो गई। युवती के भाई का आरोप है कि जमानत होने के बाद से आरोपी उसकी बहन को मैसेज भेजकर परेशान कर रहा था और धमकी दे रहा था। इससे परेशान होकर उसने सुसाइड कर ली। इस मामले में एएसपी सिटी बी. आदित्य ने बताया कि युवती ने सोमवार शाम अपने घर की छत से कूदकर सुसाइड कर लिया। आरोपी के खिलाफ युवती के भाई ने मामला दर्ज करवाया है। पूर्व में युवती ने भी आरोपी के खिलाफ रेप का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया था। रेप के इस मामले में जमानत मिलने के बाद आरोपी युवती को परेशान कर रहा था। इसके बाद सोमवार को युवती ने छत से कूदकर जान दे दी।

बस की टक्कर से बाइक सवार दादा पोते की मौत:पोती की हालत गंभीर

द पुलिस पोस्ट

खेतड़ी-झुंझुनूं। बस की टक्कर से दादा और पोते की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पोती गंभीर रूप से घायल है। उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। दादा अपने पोता-पोती को स्कूल छोड़ने जा रहे थे। बाइक सवारों को टक्कर मारने के बाद बस पलट गई। घटना मंगलवार सुबह 7.15 बजे झुंझुनूं जिले के सिंघाना इलाके में हुई।

पशु को बचाने के चक्कर में हादसा हुआ

पुलिस के अनुसार- रायपुर जाटान के रहने वाले रिटायर हवलदार सत्यवीर सिंह (60) पुत्र शोभ सिंह अपनी पोती शिक्षा (10) और पोते प्रवेश (6) को सुबह 7 बजे बाइक पर लेकर गांव से निकले थे। 5 किलोमीटर दूर वे बच्चों को घरडाना स्थित प्राइवेट स्कूल छोड़ने जा रहे थे। घरडाना स्कूल से 1 किलोमीटर पहले ही हादसा हो गया।

बच्ची की हालत गंभीर

सिंघाना के सामुदायिक अस्पताल के प्रभारी डॉ. धर्मेंद्र सैनी ने बताया- सत्यवीर सिंह व प्रवेश को सिंघाना के राजकीय अस्पताल में लाया गया, जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घायल शिक्षा को चिड़ावा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जिसे जयपुर रेफर किया गया है। शिक्षा की हालत भी गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार सत्यवीर महार रेजिमेंट सागर (मध्य प्रदेश) से हवलदार के पद से 1998 में रिटायर हुए थे। संजीव के दो ही बच्चे हैं। सतवीर की बेटी रीना एएनएम है, जिसकी शादी हो चुकी है।

गांव में दौड़ी शोक की लहर

प्रवेश प्राइवेट स्कूल में कक्षा यूकेजी का छात्र था। उसी स्कूल में बड़ी बहन शिक्षा चौथी कक्षा में पढ़ रही थी। दोनों बच्चों के पिता संजीव कुमार बीएसएफ में हैं। वे आईबी दिल्ली में तैनात हैं। हादसे की सूचना के बाद पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया है। उधर, घटना की सूचना मिलते ही सिंघाना थाने के एएसआई धूड़ सिंह मौके पर पहुंचे और पूछताछ की।

बस में 10 सवारियां थीं

हेड कॉन्स्टेबल धर्मपाल यादव ने बताया- बस जसरापुरा (खेतड़ी) से चिड़ावा जा रही थी। इसमें करीब 10 सवारियां थीं। घरडाना खुर्द में सड़क पर बस के सामने अचानक बकरियां आ गईं, जिनको बचाने के चक्कर में बस अनियंत्रित हो गई। आगे चल रही बाइक को टक्कर मारने के बाद पलट गई।

सरगरा समाज की धर्मशाला के आसपास की जमीन समाज के लिए आरक्षित रखनी चाहिए

पिछली जमीन पर कोलोनीया काटकर भूमाफिया करोडों रुपए कमाई कर रहे हैं

वरिष्ठ नगर नियोजक जोधपुर की मिलीभगत से अवैध कोलोनिया पनप रही है इनके विरुद्ध कार्यवाही होनी चाहिए

2 हजार बिधा जमीन गोचर की भूमाफियाओ ने खा गएँ पटवारी हाथों नाम करवा दी अब 16 बिधा जमीन ही रखी है बडगॉव मे गोचर

ग्रीन बेल्ट में मास्टर प्लान के विपरीत आवासीय योजना कैसे स्वीकृत हो गई

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज उपखंड क्षेत्र के कामबेश्वरजी महादेव मंदिर सड़क पर शहर के मास्टर प्लान शिवगंज सुमेरपुर 2011- 31 में ग्रीन बेल्ट में कॉलोनी काटी गई कैसे काटी कोलोनी इसकी जांच होनी जरूरी है क्योंकि भूमाफियाओ ने धन देकर उल्टा सीधा काम तो कर दिया पर इन्होंने यह नहीं सोचा कि इसके मुख्य सड़क पर हीरागर सरगरा समाज की धर्मशाला है इस धर्मशाला में हर वर्ष बड़े-बड़े कार्यक्रम होते रहते हैं उसमें आने वाले सैकड़ो लोगों को बड़ी समस्या होती है पर सरकारी अधिकारियों को यह पता नहीं कि यह पीछे वाली वह पास वाली जमीन सरकारी है तो इसमें कैसे कॉलोनी कट गई और प्लोटो की रेट लाखों रुपए रख दी प्लाट बेचने चालू भी कर दिए इन भूमाफियाओ ने क्योंकि संतोष नगर नामक कॉलोनी रखकर इस धर्मशाला का मुख्य द्वार पर अतिक्रमण कर दिया क्योंकि धर्मशाला के चारों तरफ नो नो मीटर साइड बैक भूमि पड़ी थी वह कहां गई या तो हो सकता है इन भूमाफियाओ ने खरीद ली या अधिकारियों पर दवाब देकर यह उल्टा काम करवा दिया क्योंकि यह बडगांव क्षेत्र है इसमें तरमीम के नाम पर लाखों रुपए बटोरे गए यहां किसान दुखी है और भूमाफियाओ मजा कर रहे हैं लाखों रुपया लेकर किसी की जमीन किसी पर बताकर अतिक्रमण करवा दिया बडगाव क्षेत्र में किसानों के मुताबिक व राजस्व मुताबिक 2000 बिघा जमीन गोचर भूमि पडी थी वह सैकड़ो बिधा भूमि फॉरेस्ट विभाग की लैंड की थी पर माने हुए भूमाफियाओ ने धन के बल पर यहां के पटवारी राजस्व निरीक्षक को अधिकारियों को खरीद कर अपने नाम की करवा दी क्योंकि गोचर भूमि गौमाता के लिए

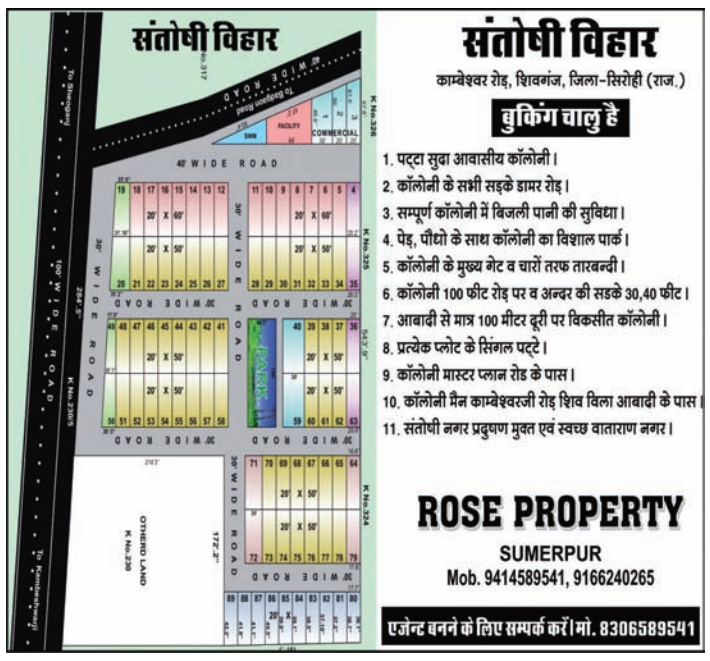

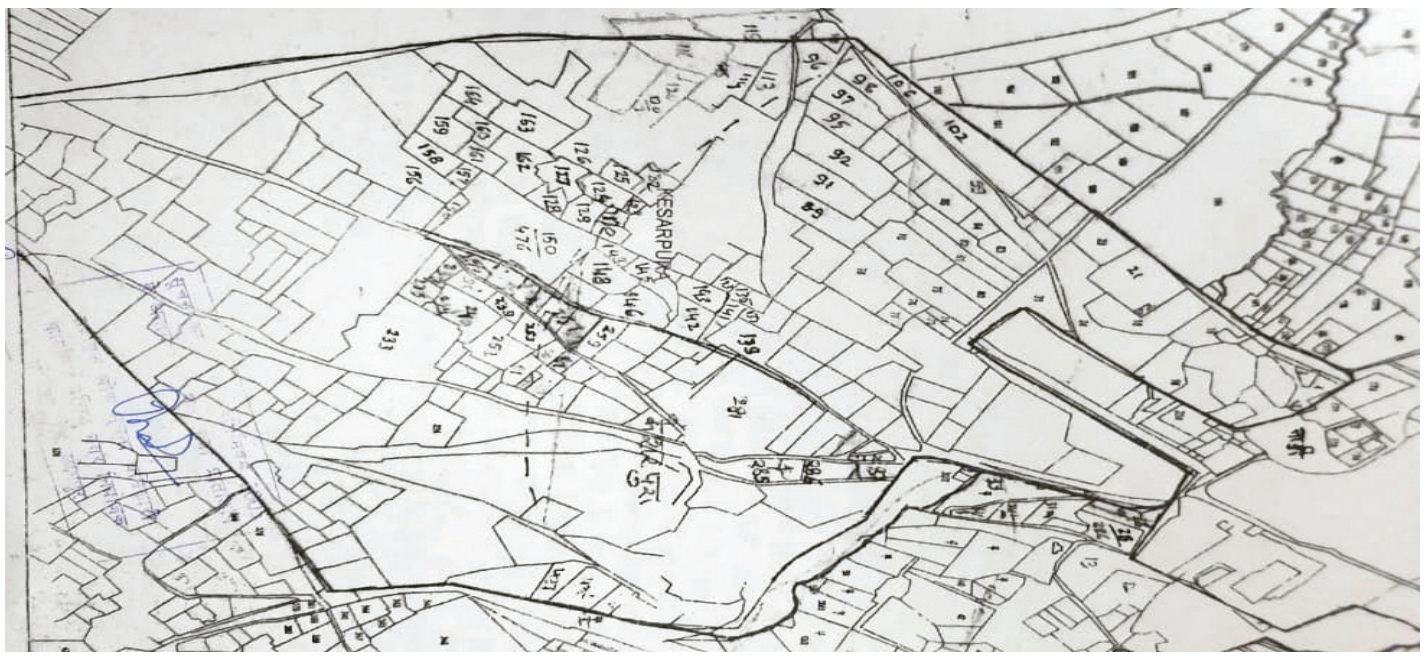

आरक्षित होती है उस पर दूसरे के नाम पर जमीन बताकर यह फजीर्वाड़ा कर दिया अधिकारियों ने लाखों रुपए लिए होंगे फोकट करने जैसे एक भी अधिकारी नहीं है पर भूमाफिया की ?10 हजार रुपये बिधा की जमीन का सीधा 10 लाख रुपया बिधा हो गई तो वह क्यों नहीं देंगे पैसा इनको क्योंकि इन कर्मचारियों ने ही यहां के धन्ना सैठो से सेट हो वह भूमाफियाओ को बता दिया होगा कि यह गोचर भूमि है आपका नाम की मैं करवा दूंगा आप इतना सामान पहुंचा देना सामान लेने में यहां के पटवारी ने कोई कसर नहीं छोड़ी क्योंकि इनके बीच में भी दलाल सक्रिय थे पैसा दलाल लेते थे और इंनके घर पर पहुंचा देते थे यहां के कर्मचारियों ने बड़ी-बड़ी जमीन ले ली बड़ी-बड़ी गाड़ियां में वह बंगले बनाकर आनंद करते हैं किसान बेचारे रो रहे है क्योंकि जमीन किसानों की गई है और यह भूमाफियाओ किसानों को दबाकर उनको पीछे की तरफ धकेला गया क्योंकि आगे जमीन किसानों की थी वहां पर तरमीम की हो गई और गोचर भूमि अपने नाम की करवा कर किसानों के साथ बड़ा भीतरी घात किया क्योंकि शिवगंज क्षेत्र के आसपास गांव में बड़गांव गांव में तरमीम के नाम पर बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है किसान परेशान है कही ने न्यायालय का सहारा लिया की तरमीम वापस करवाई जाए पर प्रशासन नहीं सुन रहा है क्योंकि सब धन के आगे नतमस्तक है अगर ऐसा ही चला रहा तो किसानों को आत्महत्या करनी पड़ जाए क्योंकि उनके जमीन पर दूसरे बैठकर बड़ी खेती कर रहे हैं किसान चुपचाप जमीन को देखकर वापस जा रहा है क्योंकि उनके हक की जमीन वह प्रशासन की धमकी के आगे किसान छुप हो गया बड़गांव तरमीम अभी 2022-23 में हुई है और इतने सालों तक नहीं होना इसका फायदा इन भूमाफियाओ ने उठाया है जब तरमीम हुई तब अधिकारी कौन-कौन थे उनके विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए और किसानों को भूमिहीन किया है उन्हें वापस अपनी जमीन पर बैठाना ही उचित रहेगा नहीं तो किसान आंदोलन की राह पर आ जाएगा वह प्रशासन को गोचर की भूमि वापस गौशाला के नाम पर खुली रखनी चाहिए 2000 बिधा जमीन से 16 बीघा जमीन कैसे हो गई यह हजारों बिधा जमीन कौन खा गया समझ जाओ कितना धन पहुंचा होगा अधिकारियों व विधायक तक क्योंकि कहां पर 2000 बिधा और कहां 16 बीघा जमीन आ गई 2000 बिधा जमीन कितनी बड़ी हुई लाखों रुपया बिधा के भाव से अधिकारियों ने व नेताओं ने मिलकर लिए धन ईस धन की वसूली वापस होनी चाहिए क्योंकि यहां पर बैठे पूर्व विधायक ने भ्रष्टाचार करवाने में कोई कसर नहीं छोड़ी इसीलिए उनके विरुद्ध भी कार्रवाई कर के गरीबों को वापस अपनी जमीन दिलानी चाहिए वह भूमाफियाओ के विरुद्ध कार्रवाई करनी चाहिए गोचर भूमि पर अतिक्रमण हटाकर गौमाताजी के लिए खैतीवाडी करनी चाहिए ।

भीलवाड़ा में कांग्रेसी बोले: नगर परिषद भूमाफियाओं के दबाव में:पट्टे जारी करने में भ्रष्टाचार हुआ; सभापति को सौंपा ज्ञापन

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा नगर परिषद द्वारा फर्जी पट्टे देकर भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस ने आज नगर परिषद के खिलाफ एक दिवसीय धरना दिया और मुख्य सचिव के नाम नगर परिषद के सभापति को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकताओं ने नगर परिषद के बाहर नारेबाजी की ओर विरोध प्रदर्शन किया। पूर्व पार्षद मनोज पालीवाल ने बताया- नगर परिषद भूमाफियाओं और प्रभावशाली लोगों के दबाव में आकर पट्टे जारी कर देता है। वहीं जिन लोगों को पट्टों की आवश्यकता है और जिन्होंने पिछले 1 साल से पट्टे के लिए फाइलें लगा रखी है, उन्हें पट्टे नहीं दिए जा रहे हैं । ऐसे ही एक मामले में नगर परिषद ने प्रभावशाली व्यक्तियों के दबाव में आकर कृष्णा नगर

योजना में पट्टा जारी किया और उक्त मामले को दबाते हुए उसे पट्टे को सरेंडर करवा दिया। जबकि पट्टा देने की किसी भी शर्त की पालना नहीं की गई। बिना नियमों को पूरी किए अधिकारियों ने पट्टा जारी कर दिया। नगर परिषद में लगभग 800 पट्टों की फाइल एक साल से पेंडिंग पड़ी है। लेकिन उन्हें अभी तक पट्टे नहीं दिए गए हैं। नगर परिषद के अधिकारियों द्वारा मिली भगत और बेईमानी पूर्वक मनमाने तरीके से अपने चहेतों को पट्टे दिए जा रहे हैं, जो जरूरतमंद लोग हैं उन्हें पट्टे नहीं दिए जा रहे हैं। इसकी उच्च स्तरीय अधिकारियों द्वारा जांच की जाए। हमारा प्रदर्शन एक दिन में खत्म नहीं होगा, आगे जरूरत पड़ी तो हम आंदोलन करेंगे। धरने के बाद कांग्रेस कार्यकताओं ने मुख्य सचिव सुधांशु पंत के नाम नगर परिषद सभापति को ज्ञापन दिया और कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष धर्मेंद्र कुमार पारीक, महामंत्री महेश सोनी, जीपी खटीक, राजकुमार प्रजापत, योगेश सोनी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ब्रांड के नाम से बेचा जा रहा नकली तेल सीज:खाद्य सुरक्षा विभाग ने ऑयल इंडस्ट्रीज में मारा छापा, कोटा समेत बाहर होता सप्लाई

द पुलिस पोस्ट

कोटा। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने कोटा में बड़ी कार्रवाई की है। अतिरिक्त खाद्य आयुक्त पंकज ओझा के नेतृत्व में विभाग की टीम ने रानपुर में शिवम एडिबल ऑयल इंडस्ट्रीज में छापा मारा और करीब साढ़े 7 हजार लीटर तेल पकड़ा है। यहां पर तेल को प्रोसेस करके अलग-अलग ब्रांड के नाम पर बाजार में बेचा जा रहा था। टीम ने मौके से निवाई, राजस्थान, पोस्टमैन समेत अन्य ब्रांड के नकली तैयार किए गए तेल के पीपे, पैकिंग, समेत अन्य सामग्री जब्त की हैं। अतिरिक्त खाद्य आयुक्त पंकज ओझा ने बताया- कुछ समय पहले विभाग की टीम ने यहां से सैंपल लिए थे, जो जांच में सबस्टैंडर्ड के मिले। यहां ब्रांडेड के नाम से मिलावटी तेल बेचने की सूचना मिल रही थी। जिस पर आज टीम के साथ मौके पर आए। देखा तो एक ही तेल को अलग-अलग ब्रांड के नाम से पैक किया हुआ था। इसमें मुख्यतः मूंगफली और तिल्ली का तेल था। संदेह के आधार पर टीम ने 450 लीटर तिल्ली के तेल सहित साढ़े 7 हजार लीटर तेल सीज किया है। टीम ने मौके से सैंपल लिए है, जिन्हें जांच के लिए ले भेजा

जाएगा जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कच्चा माल खरीद कर ब्रांड में पैकिंग

पंकज ओझा ने बताया निवाई, बीकानर, कोटा, ब्यावर सहित अन्य जगहों से कच्चा माल लाता था। उन्हें अपने यहां 5-6 ब्रांड से पैक किया जा रहा था। फिर ब्रांडेड बताकर कोटा और बाहर सप्लाई किया जा रहा था। शुरूआती जानकारी में सामने आया कि ये माल कोटा, बूंदी सहित हाड़ौती सम्भाग में दुकानदारों को 100 रुपए लीटर में सप्लाई करता था।

मौत बांटते असुरक्षित कोचिंग सैंटर, पीजी और हॉस्टल

डॉ. आशीष वशिष्ठ

बात हम नया भारत एवं विकसित भारत की करते हैं, लेकिन हमारी व्यवस्थाएं अभी वैसी नहीं बनी है और हम अनियंत्रित एवं असुरक्षित विकास करते जा रहे हैं। मुंबई हो, दिल्ली हो, चैन्नई या बेंगलुरु या ऐसे ही अन्य बड़े शहर -हर कहीं अनियोजित विकास और शहरी निर्माण संबंधी नियम-कानूनों के खुले उल्लंघन के चलते आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। स्थिति यह है कि सरकारी भवनों तक में सुरक्षा के उपायों की अनदेखी होती है।

दिल्ली में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कराने वाले एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से तीन छात्रों की मौत-हादसे ने समूचे राष्ट्र को दुःखी एवं आहत किया है, यह हादसा नहीं, बल्कि मानव जनित त्रासदी है, लापरवाही एवं लोभ की पराकाष्ठा है। इस त्रासदी की जड़ में है घोर दोषग्रस्त कोचिंग प्रणाली और व्यवस्था की जड़ों में समा गया बेलगाम भ्रष्टाचार। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कोचिंग संस्थान के दो लोगों को गिर तार कर लिया गया है, क्योंकि दिल्ली नगर निगम के उन कर्मचारियों और अधिकारियों को क्यों नहीं गिर तार किया गया जो सब कुछ जानते-बूझते हुए इस संस्थान को बेसमेंट में लाइब्रेरी चलाने की सुविधा प्रदान किए हुए थे। इस दुःखद एवं पीड़ादायक घटना ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। जिसकी कीमत निदोर्षों को अपनी जान गंवा का चुकानी पड़ रही है। नि त ही देशभर में कुकुरमुत्तों की तरह उग आए कोचिंग सैंटर डैथ सैंटर बन चुके हैं। कोचिंग सैंटरों का कारोबार शासन के दिशा-निर्देशों की धज्जियां उड़ाकर चल रहे हैं। छात्रों को सुनहरी भविष्य का सपना दिखा कर मौत बांटी जा रही है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में तीव्रता से व्याप्त है, अनेक हादसों एवं जानमाल की हानि के बावजूद भ्रष्ट हो चुकी मोटी चमड़ी पर कोई असर नहीं होता। प्रश्न है कि सैंटर के मालिक को तो गिर तार कर लिया लेकिन ऐसी घटनाओं के दोषी अधिकारी क्यों नहीं गिर तार होते?

शनिवार की शाम राजधानी दिल्ली के ओल्ड राजेन्द्र नगर के कोचिंग सैंटर में हुए हादसे में तीन छात्रों नेविन डोल्विन, तान्य सोनी और श्रेया यादव की दुखद मौत ने अनेक सवालों को खड़ा किया है। केरल का रहने वाला नेविन आईएएस की तैयारी कर रहा था और वह जेएनयू से पीएचडी भी कर रहा था। उत्तर प्रदेश की श्रेया यादव ने अभी एक महीना पहले ही इस कोचिंग सैंटर में दाखिला लिया था। कोचिंग सैंटर के बेसमेंट में लाइब्रेरी चल रही थी जहां 150 छात्रों के बैठने की व्यवस्था थी। हादसे के वक्त 35 छात्र मौजूद थे। चंद मिनटों में ही बेसमेंट में पानी भर गया। सिर्फ इसी सैंटर में नहीं, बल्कि लगभग सभी शैक्षणिक कोचिंग सैंटर के बेसमेंट में लाइब्रेरी बनाई गई है। जिसके गेट बायोमेट्रिक आईडी से खुलते हैं, जैसे ही बारिश होती है, बिजली चली जाती है, उसके बाद बेसमेंट से निकलना बिना बायोमैट्रिक आईडेंटिफिकेशन के मुश्किल होता है।

ऐसी स्थिति में हादसे और मौत की संभावना बढ़ जाती है। ओल्ड राजेंद्र नगर के न सिर्फ कोचिंग सैंटर बल्कि पीजी और हॉस्टल की असुरक्षित हालत भी मौत लिये किसी भी क्षण बड़े हादसे की संभावना के साथ खड़ी है। जहां इस कदर अवैध निर्माण है कि कभी भी दूसरा या दोबारा हादसा हो सकता है। इसलिये ऐसे हादसों की जांच से काम नहीं चलने वाला।

विडम्बनापूर्ण है ऐसे जलभराव एवं आगजनी के हादसों से सबक नहीं लिया जाता। यह प्रवृत्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना देखिये कि ऐसे भ्रष्ट शिखरों को बचाने के लिये सरकार कितने सारे झूठ का सहारा लेती है। राजधानी में रह-रह कर एक के बाद एक हो रहे हादसों के बावजूद दिल्ली-सरकार की नींद नहीं खुल रही है। हाल ही में गुजरात के राजकोट में एक एम्यूजमेंट पार्क के अंदर गेमिंग जोन में लगी आग की लपटें हो या राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बच्चों के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में आग लगना और अब कोचिंग सैंटर में तीन होनहार एवं देश के भविष्य बच्चों का दर्दनाक तरीके से डूबकर मर जाना-निं त रूप से ये हादसे प्रशासनिक लापरवाही की उपज हैं, यही कारण है कि सिस्टम में खामियों और ऐसी आपदाओं को रोकने में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही की निंदा भी व्यापक स्तर की जा रही है। यह याद रखने योग्य है कि नियमित अंतराल पर मानवीय जिम्मेदारी वाले पहलू की अनदेखी से ऐसी गंभीर घटनाएं होने के बावजूद अधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही कम होती नहीं दिख रही है। इन त्रासद हादसों ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए।

परिवार वालों ने और छात्रों ने स्वर्णिम भविष्य के सपने संजो कर और लाखों की फीस देकर कोचिंग शुरू की होगी लेकिन उन्हें नहीं पता था कि उन्हें इस तरह मौत मिलेगी। छात्रों की मौत को महज हादसा नहीं माना जा सकता, यह एक तरह से निर्मम हत्या है और हत्यारा है हमारा सिस्टम। हादसे से आक्रोशित छात्रों का कहना है कि वे 10-12 दिन से दिल्ली नगर निगम से कह रहे हैं कि ड्रेनेज सिस्टम की सफाई कारवाई जाए लेकिन किसी भी जनप्रतिनिधि और जिम्मेदार अधिकारियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। हादसे तभी होते हैं जब नियमों और कानूनों को ताक पर रखा जाता है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलते ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे-कानूनों का उल्लंघन होता है। जलभराव क्यों और कैसे हुआ, यह तो जांच का विषय है ही लेकिन इन शैक्षणिक एवं व्यावसायिक इकाइयों को उसके मालिकों ने मौत का कुआं बना रखा था। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वही सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती है? सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है। हर दुर्घटना में गलती भ्रष्ट आदमी यानी अधिकारी एवं व्यवसायी की ही होती है, लेकिन दुर्घटना होने के बाद ही उन पर कार्रवाई क्यों होती है? सरकार पहले क्यों नहीं जागती?

वैसे तो बेसमेंट में कोचिंग सैन्टर या लाइब्रेरी चलाना गैर-कानूनी है, इस घटना के सन्दर्भ जब बेसमेंट में स्टोर या पार्किंग की अनुमति दी गई थी तो वहां लाइब्रेरी कैसे चलने लगी? स्पष्ट है कि कोचिंग संचालकों और दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों की मिलीभगत से ऐसा हो रहा होगा। जलभराव के कारण पानी जब बेसमेंट में घुसा तब लाइब्रेरी में 30-35 छात्र थे। यह तो गनीमत रही कि तीन अभागे छात्रों को छोड़कर बाकी सब जैसे-तैसे निकल आए। इस इलाके में बरसात में हर समय जलभराव होता है, लेकिन किसी ने उसकी सुध नहीं ली। इसका कोई विशेष औचित्य नहीं कि एमसीडी ने एक जांच समिति गठित करने की बात कही है। जांच के नाम पर लीपापोती होने की ही आशंका अधिक है। दिल्ली की घटना इसकी परिचायक है कि जिन पर भी शहरी ढांचे की देखरेख करने और उसे संवारने की जिम्मेदारी है, वे अपना काम सही से करने के लिए तैयार नहीं। यही कारण है कि देश की राजधानी के साथ-साथ अन्य महानगरों का भी शहरी ढांचा बुरी तरह चरमरा गया है।

बात हम नया भारत एवं विकसित भारत की करते हैं, लेकिन हमारी व्यवस्थाएं अभी वैसी नहीं बनी है और हम अनियंत्रित एवं असुरक्षित विकास करते जा रहे हैं। मुंबई हो, दिल्ली हो, चैन्नई या बेंगलुरु या ऐसे ही अन्य बड़े शहर -हर कहीं अनियोजित विकास और शहरी निर्माण संबंधी नियम-कानूनों के खुले उल्लंघन के चलते आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। स्थिति यह है कि सरकारी भवनों तक में सुरक्षा के उपायों की अनदेखी होती है। दिल्ली के इनकम टैक्स भवन में आग से एक अधिकारी की जान हाल में गयी। कहने को तो अपने देश में हर तरह के नियम-कानून हैं, लेकिन वे कागजों पर ही अधिक हैं या निदोर्षों को परेशानी करने के लिये है। औसत जनप्रतिनिधि और अधिकारी-कर्मचारी पैसे बनाने के फेर में रहते हैं और अनियोजित विकास को रोकने के बजाय उसे बढ़ावा देने का काम करते हैं। सब चलता है वाली प्रवृत्ति इस तरह अपनी जड़ें जमा चुकी है कि व्यवस्था की परवाह करना ही छोड़ दिया गया है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि शहरी विकास के बड़े-बड़े दावे करने और उन्हें संवारने की तमाम योजनाएं बनाने के बावजूद देश के शहर दुर्दशाग्रस्त एवं असुरक्षित हैं। हर हादसे पर सियासत होती है लेकिन कोचिंग सैंटर माफिया इतना ताकवर है कि उसके आगे कोई कुछ नहीं बोलता। ऐसा क्यों है यह सब जानते हैं।

संपादकीय

खामियाजा भरना नामुमकिन

दिल्ली के ओल्ड राजेन्द्र नगर स्थित नामी कोचिंग सेंटर राव के बेसमेंट में जलभराव से तीन छात्रों की मौत वाकई दुखद है। कोचिंग संस्थान, सिविक एजेंसी और सरकारी मशीनरी की काहिली से यह जानलेवा स्थिति बनी। यहां बरसात का पानी अचानक भर गया, वहां बनी लाइब्रेरी में तकरीबन 35 छात्र पढ़ाई कर रहे थे। बता रहे हैं, शुरूआत में पानी थोड़ा था पर अचानक बरसाती पानी की र तार बहुत तेज हो गई। तेज स्पार्किंग के साथ धमाका हुआ और बिजली गुल हो गई। अफरा-तफरी में वे बाहर की तरफ भागे मगर बायोमैट्रिक लगा होने के कारण दरवाजा नहीं खुला। पांच मिनट में भूतल में 10-12 फीट पानी भर गया था। बचाव दल ने छात्रों को बमुश्किल निकाला। दो छात्रों का पोस्टमार्टम में उनकी मौत डूबने व गंदा पानी फेफड़ों में भरने से होने की रपट है, एक छात्र के परिजन के पहुंच न पाने के कारण शव सुरक्षित रखा गया। मामले में कोचिंग सेंटर के मालिक अभिषेक गुप्ता समेत कुल सात आरोपियों की गिर तारी हो चुकी है। नियमानुसार जिस भूतल को केवल स्टोर के लिए इस्तेमाल करना था, वहां कक्षा है और पुस्तकालय भी। राजधानी में केंद्र सरकार की नाक के नीचे ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटना की देश भर में काफी निंदा की जा रही है। दमकल विभाग का कहना है, वहां मौजूद तमाम कोचिंग सेंटरों ने मुख्यद्वार स्लाइडिंग बनाए हैं। ताकि बरसात का पानी वहां न आ पाए। ऐसे तेरह सेंटरों को आनन-फानन सील भी कर दिया गया है। नौ माह का शुल्क डेढ़ लाख से अधिक लेने वाले राव जैसे अन्य सेंटरों के कुछ छात्र इस अव्यवस्था की लिखित शिकायत भी कर चुके थे। यहां संकरी गलियों के छोटे-छोटे घरों में रहने व पढ़ाई करने वाले छात्रों का जमावड़ा रहता है। कुछ ही दिन पहले ऐसे ही सेंटर में आग लगने की घटना हो चुकी है। सरकार ने मुंह छिपाने के लिए आनन-फानन नए नियम लागू कर दिए हैं। मगर इन होनहार छात्रों के जीवन का खामियाजा तो किसी भी तरह नहीं भरा जा सकता। सख्त सजा से जरूरी है, देश भर के छात्रों की सुरक्षा व्यवस्था पर कड़ी नजर रखी जाए और लापरवाही करने वाले संस्थानों को यूं ही मुक्त न छोड़.दिया जाए। मालिकों व प्रबंधकों के अतिरिक्त इस हादसे की सरकार भी कम जिम्मेदार नहीं है। उसे अपनी लापरवाही को सुधारना होगा। कुल मिलाकर खराब जल निकासी और सरकारी तंत्र की घोर लापरवाही के चलते दूरदराज से अधिकारी बनने का ख्वाब लिए बच्चों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा।

चिंतन-मनन

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं- आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं। किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रह्मसंहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं। जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुनः उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।

538 लोकसभा सीटों पर पड़े वोट और गिने गए वोटों पर अंतर, लोकतांत्रिक व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह

सनत जैन

लोएसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) ने सोमवार को एक रिपोर्ट पेश की है। इस रिपोर्ट में बताया गया है। 362 लोकसभा की सीटों पर मतदाताओं द्वारा डाले गए और गिने गए वोटो में 5,54,598 वोटो का अंतर है। मतगणना कम वोटों की की गई है। जबकि जीतने वाले प्रत्याशी और दूसरे नंबर के प्रत्याशी के बीच वोटों का अंतर बहुत कम था। इससे जीत-हार प्रभावित हुई है। लोकसभा की 176 लोकसभा सीटों पर वोट कम पड़े और 35093 वोट ज्यादा गिने गए हैं। 538 सीटों पर कुल वोटों का अंतर 5,89,691 पाया गया है। इस संस्था के संस्थापक जगदीप छोकर ने कहा है, कि चुनाव आयोग द्वारा अंतिम मतदान का डाटा जारी करने में भी पारिदर्शिता नहीं बरती गई है। चुनाव आयोग द्वारा अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्र के मतदान के आंकड़े काफी विलंब से जारी किए गए। प्रारंभिक मतदान और अंतिम मतदान के परिणामों में 5 करोड़ से अधिक वोटों का अंतर पाया गया है। अभी भी चुनाव आयोग द्वारा मतदान और मतगणना के आंकड़े मतदान केंद्र के हिसाब से जारी नहीं किए गए हैं। इस कारण लोकसभा चुनाव में मतदान और मतगणना को लेकर संदेह बना हुआ है। जबकि यह जानकारी पूर्व में चुनाव आयोग द्वारा दी जा रही थी। एडीआर ने 79 लोकसभा सीटों का एक अलग विश्लेषण जारी किया है। जिसमें मतदान कम होने की जानकारी दी गई थी। जब मतगणना हुई, उसमें करोडों वोट ज्यादा गिने गए हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग के ऊपर चुनाव प्रचार के दौरान और मतदान के बीच में आदर्श आचार संहिता की जो शिकायतें की गई थीं, उन पर भी चुनाव आयोग द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किए जाने तथा शिकायतों का भेदभाव पूर्ण ढंग से निपटारा करने का आरोप लगा है। इसको लेकर भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर लगातार पक्षपात और संदेह व्यक्त किया जा रहा है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स एक ऐसी संस्था है, जिसमें भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी, न्यायिक व्यवस्था से जुड़े हुए न्यायाधीश, वकील और पत्रकार भी शामिल हैं। यह संस्था पिछले कई वर्षों से लोकसभा और विधानसभा के चुनाव का डाटा इक ा करती आ रही है। उसका विश्लेषण करती है, और समय-समय पर वह डाटा सार्वजनिक पोर्टल पर जारी करती है। इस संस्था की बड़ी विश्वसनीयता मतदाताओं, मीडिया और संस्थाओं के बीच में बनी हुई है। यह संस्था बिना किसी भेदभाव के उपलब्ध डाटा के आधार पर जानकारी उपलब्ध कराते हुए गड़बड़ियों को उजागर करती है। समय-समय पर इस संस्था द्वारा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी याचिकाओं के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था सुदृढ़ करने की कोशिश की गई है। मतदाताओं के लोकतांत्रिक अधिकार सुरक्षित रह सकें, इसके लिए समय-समय पर प्रयास करती है। 5 वर्ष पहले भी इस संस्था द्वारा सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। जिसकी सुनवाई लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के कुछ दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट में शुरू हुई। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर चुनाव अधिसूचना जारी होने के कारण डिटेल में जाकर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। याचिका में ईवीएम मशीन, बीवीपेट मशीन, बीवीपेट से निकली हुई मतदान पर्चियों की गिनती, माइक्रोकंट्रोल यूनिट इत्यादि के बारे में प्रश्न उठाए गए थे। सुप्रीम कोर्ट में पिछले चुनाव के दौरान जो गड़बड़ियां थी उसको लेकर याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने उस समय, सुनवाई के बाद जो आदेश पारित किए थे, उसका पालन भी चुनाव आयोग द्वारा 2024 के लोकसभा चुनाव में यथावत नहीं किया गया। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया था। उसको बदलते हुए सरकार ने एक नया कानून बनाया। जिसमें प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, और नेता प्रतिपक्ष के तीन सदस्यों की कमेटी ने चुनाव के ठीक पहले तो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की। यह नियुक्ति भी विवादों में है। नए कानून को चुनौती देने वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। लोकसभा के चुनाव हो चुके हैं। परिणाम भी घोषित हो चुके हैं। लोकसभा के सदस्यों ने शपथ भी ले ली है। सरकार का गठन भी हो गया है। ऐसी स्थिति में एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म द्वारा जो रिपोर्ट पेश की गई है। संगठन ने चुनाव आयोग से भी जानकारी मांगी, लेकिन चुनाव आयोग द्वारा जानकारी देने के स्थान पर छुपाया जा रहा है। इससे भी संदेह बढ़ रहा है। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव तथा विभिन्न राज्यों के जो विधानसभा चुनाव हुए थे, उसमें चुनाव आयोग द्वारा मतदान की जानकारी शाम को 7 बजे और दूसरे दिन दोपहर 11 बजे तक प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में कितना मतदान हुआ है। उसको मतदान केंद्र के हिसाब से जारी कर देती थी। 2024 के लोकसभा चुनाव की चुनाव आयोग द्वारा जो प्रारंभिक मतदान की जानकारी दी गई थी। उसके कई दिनों बाद मतदान के जो आंकड़े जारी किए गए, उनमें करोडों वोटो का अंतर है। राज्यवार 12 फीसदी तक का अंतर मतदान में है। निर्वाचन क्षेत्र के हिसाब से अभी तक मतदान केंद्र के मतगणना का आंकड़ा मतदान केंद्रों के हिसाब से चुनाव आयोग द्वारा पोर्टल पर नहीं डाला गया है। एक नि त समय पर चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को चुनाव याचिका हाईकोर्ट में दायर करनी पड़ती है। इसी तरह से सुप्रीम कोर्ट ने जो आदेश दिए थे, निर्वाचन क्षेत्र का दूसरे नंबर का उम्मीदवार यदि मतगणना से सहमत नहीं है। वह राशि भरकर 45 दिन के अंदर जांच की मांग कर सकता है। इस संबंध में चुनाव आयोग द्वारा अभी तक कोई नियम नहीं बनाए हैं। जिन पराजित उम्मीदवारों ने आवेदन लगाए थे, उस पर भी कोई कार्रवाई अभी तक चुनाव आयोग द्वारा नहीं की गई है। भारतीय लोकतंत्र और संविधान की बुनियाद मतदान पर ही रखी गई है। निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा बहुमत के आधार पर सरकार का गठन किया जाता है। मतदाताओं से मिले हुए इस अधिकार से केंद्र एवं राज्य सरकार का गठन होता है। केंद्र एवं राज्य सरकारें जनता के लिए कानून बनाती हैं। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका उसी के अनुसार काम करती हैं। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। उसको निष्पक्ष और पारदर्शिता के साथ चुनाव कराने की जिम्मेदारी संविधान ने सौंपी है। चुनाव आयोग, चुनाव की निष्पक्षता, पारिदर्शिता और सभी लोगों को चुनाव में समान अवसर मिलें। सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर मिलें। इसकी जिम्मेदारी चुनाव आयोग की तय की गई है। यदि मतदाताओं को चुनाव आयोग पर ही विश्वास नहीं होगा? चुनाव आयोग सरकार के दबाव में काम करेगा, तो लोकतंत्र और संविधान को सुरक्षित रख पाना संभव नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर जो फैसला दिया था, उसमें उन्होंने कहा था, कि चुनाव आयुक्त ऐसा होना चाहिए जो प्रधानमंत्री से भी बिना डर और भय के सवाल कर सके। बिना किसी दबाव में आए काम कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में जो कमेटी बनाई थी, उसमें प्रधानमंत्री, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और नेता प्रतिपक्ष को शामिल किया था। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को ना मानते हुए, जो कानून बनाया। उसमें तीन सदस्यों की कमेटी में दो सदस्य सरकार के और एक विपक्ष का रखा गया। जिसके कारण चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से लेकर, मतदान और मतगणना पर लगातार प्रश्न चिन्ह लग रहे हैं। न्यायपालिका की जिम्मेदारी है, जो प्रश्न चिन्ह चुनाव आयोग और चुनाव प्रक्रिया पर खड़े हुए हैं। उनकी जल्द से जल्द सुनवाई करके, दूध का दूध और पानी का पानी किया जाए। मतदाताओं का चुनाव प्रक्रिया पर विश्वास बना रहे। लोकतंत्र तथा संविधान मजबूत हो। पूर्व चुनाव आयुक्त टीएन सेशन आज भी सबसे सशक्त और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए जाने जाते हैं। वर्तमान केंद्रीय चुनाव आयोग से भी अपेक्षा की जाती है।

भुखमरी : खत्म करने की चुनौती

रविशंकर

दुनियाभर के लिए भुखमरी आज एक वैश्विक समस्या बन गई है। जनसंख्या बढ़ने के साथ ही विश्वभर में भुखमरी का आंकड़ा भी दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। जबकि पृथ्वी पर हर एक इंसान का पेट भरने लायक पर्याप्त भोजन का उत्पादन हो रहा है, लेकिन फिर भी दुनिया के कुछ हिस्सों में भुखमरी बढ़ती जा रही है। हकीकत ये है कि आधुनिक दुनिया में आज हर 11वां इंसान अभी भी खाली पेट सोने को मजबूर है। मतलब की दुनिया में 73.3 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिन्हें भरपेट खाना नसीब नहीं हो रहा है। यदि 2019 की तुलना में देखें तो इन लोगों की संख्या में 15.2 करोड़ का इजाफा हुआ है। अफ्रीका में हालात तो और भी कहीं ज्यादा खराब है, जहां हर पांचवां इंसान भुखमरी का सामना करने को मजबूर है। ये जानकारी दुनिया में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति पर जारी एक नई रिपोर्ट में सामने आई है। 'द स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड 2024' नामक ये रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ), अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष (आईएफएडी), यूनिसेफ, विभ खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने संयुक्त रूप से प्रकाशित की है।

इस रिपोर्ट में बताया गया है कि आज दुनिया की एक तिहाई आबादी ऐसी है, जो पोषण युक्त आहार खरीदने में सक्षम नहीं है। रिपोर्ट में जो आंकड़े साझा किए गए हैं वो खाद्य सुरक्षा की एक गंभीर तस्वीर पेश कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में 233 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिन्हें नियमित तौर पर पर्याप्त भोजन हासिल करने के लिए जूझना पड़ रहा है। इनमें 86.4 करोड़ लोग वो हैं जिन्हें गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ा। यानी उन्हें कुछ समय बिना खाए ही गुजारा करना पड़ा है। वास्तविकता में देखें तो पोषण के मामले में दुनिया 15 साल पीछे चली गई है और कुपोषण का स्तर 2008-2009 के स्तर पर पहुंच चुका है। हालांकि देखा जाए तो ये स्थिति तब है जब सतत विकास के लक्ष्यों के तहत 2030 तक किसी को खाली पेट न सोने देने की बात कही गई थी। मतलब की इन छह वर्षों में दुनिया को एक लंबा सफर तय करना है। रिपोर्ट में ये चेतावनी भी दी गई है कि अगर मौजूदा हालात इसी तरह से जारी रही, तो 2030 तक लगभग 58 करोड़ से ज्यादा लोग गंभीर कुपोषण का शिकार हो जाएंगे। इनमें से आधे अफ्रीका में होंगे। साफ है, दुनियाभर में तमाम प्रोग्राम और संयुक्त राष्ट्र की कोशिशों के बावजूद खाद्य असामनता और कुपोषण जैसे मुद्दे पर अभी तक सफलता नहीं मिल पाई है। यूं तो इंसान पांच दशक पहले ही चांद पर पहुंच गया, लेकिन इसी दुनिया में आज भी करोड़ों लोगों को चांद रोटी में नजर आता है। ताजा रिपोर्ट देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि दुनिया में भुखमरी की संख्या घटने की बजाए तेजी से बढ़ रही है। साफ है, भूख की समस्या को पूरी तरह समाप्त करने के लिए अभी दुनिया को एक लंबा रास्ता तय किया जाना बाकी है। ये कैसी विडंबना है एक ओर हमारे और आपके घर में रोज सुबह रात का बचा हुआ खाना बासी समझ कर फेंक दिया जाता है तो वहीं दूसरी ओर कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्हें एक वक्त का खानातक नसीब नहीं हो रहा है और वे भूख से जूझ और मर रहे है। दुनिया भर में हर साल जितना भोजन तैयार होता है उसका लगभग एक-तिहाई बर्बाद हो जाता है। बर्बाद किया जाने वाला खाना इतना होता है कि उससे दो अरब लोगों के भोजन की जरूरत पूरी हो सकती है। गौर करने वाली बात ये है कि दुनिया में बढ़ती संपन्नता के साथ ही लोग खाने के प्रति असंवेदनशील हो रहे हैं। खर्च करने की क्षमता के साथ ही लोगों में खाना फेंकने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। कमोबेश हर विकसित और विकासशील देश की यही कहानी है। अगर इस बबार्दी को रोका जा सके तो कई लोगों का पेट भरा जा सकता है। वहीं दूसरी तरफ, खाद्यान्न की क्षति और बबार्दी न केवल संसाधनों के कुप्रबंधन का मुद्दा है बल्कि ये बड़े पैमाने पर ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में भी योगदान देती है। खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) का अनुमान है कि वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के आठ प्रतिशत के लिए खाद्य अपशिष्ट भी जिम्मेदार होते हैं।

वर्तमान समय में हर देश विकास के पथ पर आगे बढ़ने का दावा करता है। अल्पविकसित देश विकासशील देश बनना चाहते हैं तो वहीं विकासशील देश विकसित देशों की श्रेणी में शामिल होना चाहते हैं। इसके लिए देशों की सरकारें प्रयास भी करती हैं तथा विकास के संदर्भ में अपनी उपलब्धियों को गिनाती हैं। यहां तक कि विकास दर के आंकड़े से ये अनुमान लगाया जाता है कि कोई देश किस तरह विकास कर रहा है कैसे आगे बढ़ रहा है? ऐसे में जब कोई ऐसा आंकड़ा सामने आ जाए जो आपको ये बताए कि अभी तो देश 'भूख' जैसी समस्या को भी हल नहीं कर पाया है, तब विकास के आंकड़े झूठे लगने लगते हैं। ये कैसा विकास है जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को भोजन भी उपलब्ध नहीं है।

बिना जानकारी के सभापति और पार्षदों की प्रेस कॉन्फ्रेंस डीबी से नहीं हुआ नगर परिषद के पक्ष में फैसला

राजीव नगर सम्बन्धित जानकारी सैन के पास मिलेगी झूठी नही बनाए

द पुलिस पोस्ट

सिरोही, नगरपालिका सिरोही के सुखदेव आर्य की अध्यक्षता में 2008 हुई बोर्ड बैठक में आमसहमति से एक प्रस्ताव पारित कर माननीय हाईकोर्ट में नगरपालिका के नाम मोटेशन खोलना के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता श्री एम एस सिंघवी साहब को पैरवी करने हेतु अधिकृत किया गया था बोर्ड द्वारा वकिल फिस सहित अन्य खर्च के लिए अनुमानित पांच लाख रुपए बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया था वर्ष 2008 में नगरपालिका सिरोही द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता सिंघवी साहब के जरिए हाईकोर्ट में रिट पिटीशन 1251/08 पेश की नगरपालिका द्वारा पेश रिट पिटीशन संख्या 1251/08 का निर्णय2017 माननीय हाईकोर्ट से नगर परिषद सिरोही के पक्ष में हुआ निर्णय अनुसार उपखंड अधिकारी सिरोही की कोर्ट तहसीलदार द्वारा पेश 175 की कार्यवाही बंद कर नगर परिषद सिरोही के नाम मोटेशन खोलना का निर्णय हुआ 2017 सिगंल बेंच से नगर परिषद के पक्ष में निर्णय होने के उस समय के सभापति ताराराम माली जगदीश सैन महावीर भाई रामलाल परिहार इत्यादि लोगों की कड़ी मशक्कत के बाद मोटेशन नगर परिषद के नाम हुआ नगर परिषद के नाम मोटेशन खोलना के बाद सभापति ताराराम माली ने अधिशाषी अभियंता दिलीप माथुर जो कार्यवाहक आयुक्त भी थे कार्यवाहक आयुक्त माथुर साहब व नगर परिषद की अतिक्रमण रोधी दस्ता राजीव नगर भूमि पर अतिक्रमण हटाने पहुंचे ताकि अतिक्रमण हटाकर भूमि की पैमाइश कर लॉटरी प्रक्रिया से भूमिहीन लोगों को आवासीय भुखण्ड आवंटन किया जा सके जैसे ही राजीव नगर आवासीय योजना के अतिक्रमण कताओं को हटाने के लिए नगर परिषद के आयुक्त और टीम मोके पर पहुंची उसी समय पूर्व विधायक साहब पहुंच कर अतिक्रमण कताओं के पुर्नवास की मांग कर अतिक्रमण हटाने नहीं दिये बाद में राजीव नगर के सड़क किनारे के भुखण्डो की निलामी कर करोड़ों राजस्व अर्जित कर दिया

जबकि गिरीश का उक्त भूमि संबंधी कोई मालिकाना हक हकूक नहीं था कारण तेजाराम जी ने नगरपालिका को पैसे लेकर बेची भूमि को पुनः 2017 में माननीय हाईकोर्ट से रिट पिटीशन 1251/08 नगर परिषद के पक्ष में हुये निर्णय के खिलाफ तेजाराम जी के पोत्र गिरीश ने डीबी हाईकोर्ट में अपील कर दी

अपने परिवार के सदस्यों के बजाय जैन ट्रान्सपोर्ट सिरोही में हमाली का कार्य करने वाले छगनलाल के हक में तेजाराम जी ने जीते जी 2010 में वसीयत कर दी तेजाराम जी के मृत्यु बाद 2010 में ही तेजाराम जी द्वारा छगनलाल के नाम की गई वसीयत उप पंजीयक कार्यालय सिरोही में वसीयत रजिस्टर्ड हुई जिसमें तेजाराम जी के संम्पूर्ण परिवार के सदस्यों द्वारा दस रुपए के तस्दीक शुदा शपथपत्र छगनलाल के हक में सहमति पत्र दिए और हस्ताक्षर किए सहमति पत्र देने वालों में गिरीश भी शामिल था अपील में गिरीश गैरकानूनी रूप से गया 2017 में नगर परिषद के पक्ष में सिगंल बेंच से नगर परिषद के पक्ष में निर्णय बाद डीबी में गिरीश द्वारा अपील की गिरीश एवं नगर परिषद द्वारा हाईकोर्ट में वसीयतनामा छुपाया गया जिसके कारण डीबी में गिरीश की अपील पर निर्णय लिया हुआ कि 175 की कार्यवाही जारी रहेगी और उक्त भूमि नगर परिषद के नाम बिलानाम आवंटन होती है तो तेजाराम जी परिवार को चार प्लोट 1800 वर्ग फिट के दिये जाये जो नगर परिषद के पक्ष में फैसला नहीं होने के कारण नगर परिषद सिरोही गिरीश की अपील पर आये निर्णय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील में गये और डीबी के फैसले पर स्टे लिया यानी 2017 में नगर परिषद के पक्ष में आया फैसला यथावत है वर्तमान में नगर परिषद सिरोही की राजीव नगर आवासीय योजना की पैरवी करने वाले माननीय सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता के ध्यान में लाया जाए की डीबी में गिरीश की अपील पर हुये निर्णय में गिरीश द्वारा वसीयतनामा को छुपाकर गुमराह किया गया है राजीव नगर आवासीय योजना की पुरी डिटेल अथवा जानकारी समझना कोई इच्छुक हैं तो वरिष्ठ अधिवक्ता राजेन्द्र पुरी अथवा पूर्व पार्षद जगदीश सैन से समझ सकते हैं कुछ लोग सोसल मीडिया एवं प्रेस कॉन्फ्रेंस में आधी अधूरी जानकारी साझा कर रहे हैं!

राजीव नगर खुर्दबुर्द मामला

पहले आवेदन खारिज का प्रस्ताव जनता में किरकिरी बाद ज्ञापन

आयुक्त के विरुद्ध कारवाई करनी चाहिए जैल भेजना चाहिए

द पुलिस पोस्ट

सिरोही, राजीव नगर आवासीय योजना में वर्ष 89 के दशक में आवासीय भुखण्ड प्राप्त करने के भूमिहीन लोगों द्वारा जमा करवाएं फार्म के बाद नगरपालिका ने कई बार आवेदन कताओं से भूमिहीन के शपथपत्र प्राप्त किए गत वर्ष संयम लोढ़ा के सानिध्य में सभापति मैहद्र मेवाड़ा के नेतृत्व में आयोजित बोर्ड बैठक में राजीव नगर आवासीय योजना में भूमिहीन आवेदन कताओं के एकाएक फार्म निरस्त करने का प्रस्ताव पास कर दिया यानी भूमाफिया को सुगमता से भूमि हड़पने का मार्ग सुलभ करा दिया यह सब कुछ नगर परिषद सिरोही के कांग्रेस बोर्ड में हुआ इन्हीं सभापति मैहद्र मेवाड़ा के कांग्रेस बोर्ड के राज में राजीव नगर समेत चार पांच बिलानाम सरकारी भूमि को भूमाफियाओं को हस्तांतरित करने के लिए नगर परिषद ने भूमाफियाओं से मिलिभगत कर आनलाइन आर टी जी एस से अपने कोष में पैसा जमा करवाया यह सब किसके इशारे पर हुआ अब चूंकि राजीव नगर आवासीय योजना को खुर्दबुर्द करने का मामला आम जनता की नजरों में आ चुका और किरकिरी हो रही है तो पाकसाफ बताने के लिए पूर्व कार्यवाहक आयुक्त को निलंबित करने और कार्यवाही करने के लिए जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम सभापति और कांग्रेस पार्षद ज्ञापन और प्रेस कांफ्रेंस कर अपने को ईमानदार पारदर्शी दिखाने का दिखावा किया जा रहा है संयम लोढ़ा के सानिध्य व मैहद्र मेवाड़ा के नेतृत्व में आयोजित बोर्ड बैठक ही तो आवेदन कताओं के फार्म निरस्त करने का प्रस्ताव पास किया गया और उसी प्रस्ताव खारिज करने की अगली कड़ी पूर्व कार्यवाहक आयुक्त द्वारा सुप्रीम कोर्ट के अपने अधिवक्ता को भेजें गये पत्र के रूप में सामने आया सूत्रों अनुसार पूर्व कार्यवाहक आयुक्त द्वारा समझोता के लिखे गए पत्र का असली किरदार कौन है पूर्व आयुक्त तो निमित्त मात्र है सभापति जी एवं पार्षदगणों को जनहित में राजीव नगर आवासीय योजना की वास्तविक चिंता होती तो बोर्ड बैठक में भूमिहीन गरीब आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोगों के आवेदन फार्म खारिज करने का प्रस्ताव पास नहीं करते नगरपालिका को तेजाराम जी द्वारा बेची भूमि की 2010 में गैरकानूनी तेजाराम जी ने वसीयत छगनलाल के नाम कर दी और तेजाराम जी के मृत्यु बाद वसीयत रजिस्टर्ड छगनलाल के नाम हो गई उसके बाद छगनलाल ने अपने नाम मोटेशन खोलना के तहसील में आवेदन कर दिया दूसरी और 2017 में सिगंल बेंच नगर परिषद के पक्ष में फैसला आने के बाद उस फैसले के खिलाफ डीबी में गिरीश गया लेकिन नगर परिषद सिरोही के सभापति आयुक्त और सदस्यों के संज्ञान में आने के बावजूद हाईकोर्ट डीबी में गिरीश की अपील पर छगनलाल के हक में की गई वसीयत और उस वसीयत में गिरीश समेत तेजाराम जी के परिवारजनों द्वारा छगनलाल के हक में दिये शपथपत्र व वसीयत की कोपी मेरे द्वारा नगर परिषद सिरोही को फोटो कोपी देने के बावजूद हाईकोर्ट डीबी के संज्ञान में किसके दवाब में नहीं लाया गया राजीव नगर आवासीय योजना में आयकर विभाग आयकर कोलोनी स्कूल के लिए नगरपालिका ने भूमि दे दी भवन बन गए नगर परिषद ने सिमेंट सड़क बना दी व्यवसायिक प्लोटो की निलामी कर दी सभी जगह बहुमंजिला व्यवसायिक प्रतिष्ठान बन गये इसका विरोध कभी किसी ने नहीं किया ना कभी कोई व्यक्ति कोर्ट से स्टे लेकर आया जो कुछ खेला खेला गया व बेनामी रिश्वत की कमाई के लिए और शायद जनता को तो समझ में आ गया होगा की पूर्व कार्यवाहक आयुक्त द्वारा लिखें पत्र के पीछे असली किरदार कौन है!

कोणे के भूखंड मे खड्डा खोदकर छोड दिया गया

बारिश के पानी भरने से होगा बडा हादशा जनहानी होगी

पालिका प्रशासन अंधा बनकर क्यू बैठा है कारवाई क्यू नही करते

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज शहर में बारिश का मौसम बारिश के मौसम में एक सेठ ने पालिका के ऊपर होकर बड़ा गहरा खड्डा को खोद दिया क्योंकि उस सेठ को किसी का डर नहीं क्योंकि उनके आगे पीछे बड़े नेताओं का हाथ है जब कोई बड़ा हादसा होगा तब जिम्मेदारी कौन लेगा शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र के आर्य समाज रोड पर एक कॉर्नर के भूखंड पर बड़ा खड्डा खोदकर ऐसे ही छोड़ गया है बारिश का पानी अंदर जाते ही पास में बड़ी-बड़ी बिल्डिंगे बनी हुई है बिल्डिंग को गिरने का डर बना हुआ है पर पालिका प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है क्योंकि अगर इस सेठ ने पालिका से स्वीकृति ली होगी तो अंडरग्राउंड नहीं बना सकते अंडरग्राउंड में पार्किंग की होगी पर विश्वास नहीं होता की पार्किंग खुली रखी होगी पार्किंग के नाम पर रकम देकर नीचे पार्किंग बनाने की स्वीकृति ली होगी दिल्ली में हुए तीन बच्चों की गई जान अंडरग्राउंड में पानी भरने से वह आज शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र में सडक नगर पालिका नहीं ले रही है और रात दिन खुद रही है खड्डे अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करनी चाहिए ऐसे अंडर ग्राउंड को तुरंत छुपाना चाहिए वह मिट्टी भरवा कर पास की बिल्डिंगों को बचाया जा सकता है तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए क्योंकि यह भूखंड कॉर्नर का है इसमें सुरक्षा दीवार नहीं बनाने से इस सड़क होकर रोजाना सैकड़ो गाडियाँ जाती है कोई भी बारिश में बड़े बच्चे गिरे तो जनहानि हो सकती है क्योंकि फिर बचाया नहीं जा सकता अगर अभी कार्रवाई कर दे तो अंडरग्राउंड खोदने से रोका जा सकता है और अंडरग्राउंड को छोड़ ग्राउंड फ्लोर पर पार्किंग व्यवस्था की जानी चाहिए जिससे दिल्ली जैसा हादशा नही हो जाए सरकारी नाली को तोडकर गंदा पानी रोका गया है और सडकों पर फैल रहा है बीमारियां फैल रही है नाली तोडने का मुकदमा दर्ज कराना चाहिए व अवैध अतिक्रमण को तुरंत हटावे

कॉल कर प्रेमी को बुलाया,लाठी:डंडों से पीटकर किया मर्डर:सबूत मिटाकर हॉस्पिटल में रख आए डेडबॉडी;प्रेमिका समेत 6 गिरफ्तार

द पुलिस पोस्ट

बाड़मेर। प्रेमिका ने कॉल कर बुलाया तो प्रेमी बस में सवार होकर प्रेमिका के गांव पहुंच गया। रात 1.30 घर में एंट्री की तो प्रेमिका के पूरे परिवार ने उसे घेर कर दबोच लिया। रातभर प्रेमी को टॉर्चर किया गया। पेशाब पिलाया गया। टॉर्चर से युवक की मौत हो गई तो डेडबॉडी हॉस्पिटल में पटक कर फरार हो गए। मंगलवार को प्रेमिका समेत 6 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मामला बालोतरा जिले के सिणधरी थाना इलाके के गांव कोशलू का है। शनिवार सुबह 6.30 बजे पुलिस ने डेडबॉडी बरामद की थी। मंगलवार को मामले का खुलासा कर दिया गया। सिणधरी थानाधिकारी सुरेश कुमार ने बताया- बाड़मेर की नागाणा जांगुओं की ढाणी ग्राम पंचायत के गांव मुकेनाणियों की ढाणी में रहने वाला मगाराम (25) प्रेमिका जेठी (20) के गांव कोशलू में ऑयल वेलपेड का काम यानी तेल के कुएं पर निगरानी का काम करता था। मगाराम और जेठी के बीच काफी समय से अफेयर चल रहा था। दोनों की फोन पर बातें होने लगीं। इस दौरान मगाराम जेठी के घर में भी घुस गया। परिजनों ने उसे एक-दो बार पकड़ लिया। समझाया और मगाराम के घरवालों को उलाहना देकर छोड़ दिया। इसके बाद भी मगाराम ने जेठी से मिलना बंद नहीं किया। जेठी के परिवार वालों ने घर में उउळश कैमरे लगवा दिए। पुलिस के मुताबिक- शुक्रवार शाम 6 बजे जेठी ने मगाराम को फोन किया और रात में घर आने को कहा। मगाराम अपने गांव मुकेनाणियों की ढाणी में था। यहां से कोशलू की दूरी करीब 70 किलोमीटर है। उसने घरवालों को बताया कि वह ऑयल वेलपेड के काम से जा रहा है। वह शाम को गांव से बस पकड़ कर रात तक प्रेमिका के गांव कोशलू पहुंच गया। इसके बाद देर रात 1 बजे के करीब वह जेठी के घर में घुसा। इस दौरान लड़की के परिजनों ने मगाराम को पकड़कर बंधक बना लिया। आरोप है कि जेठी के परिवार के 10-12 सदस्यों ने मगाराम को तार, लाठी-डंडों से बुरी तरह मारा-पीटा। यह आरोप भी है कि उसे पेशाब पिलाया गया। कई घंटे मारपीट के दौरान जब मगाराम ने दम तोड़ दिया तो आरोपी डेडबॉडी को सिणधरी हॉस्पिटल ले गए और बॉडी वहीं छोड़कर फरार हो गए। इस संबंध में मगाराम के चाचा खरथाराम ने शनिवार को सिणधरी थाने में जेठी समेत 9 लोगों के खिलाफ मर्डर का मामला दर्ज करवाया था। मगाराम के घर में माता-पिता और एक भाई है। पुलिस के मुताबिक- शनिवार सुबह 6.30 बजे सूचना मिली थी कि कुछ लोग कोशलू गांव में एक युवक को पीट रहे हैं। पुलिस कोशलू गांव पहुंची, घटनास्थल का मौका मुआयना किया तो वहां किसी संघर्ष, मारपीट या खून के सबूत नहीं मिले। आरोपियों ने सबूत मिटा दिए थे। यह पता चला कि युवक को पिकअप में रखकर सिणधरी हॉस्पिटल ले जाया गया है। थाने से एक टीम सिणधरी हॉस्पिटल पहुंची। वहां से पता चला कि डेडबॉडी को यहां छोड़कर आरोपी भाग गए हैं। इसी क्लू के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने आरोपियों की तलाश की। सिणधरी पुलिस ने प्रेमिका जेठी (20), उसकी मां चूनी देवी (40), पिता चौथाराम (45) पुत्र रूपाराम, ताजाराम (32) पुत्र मेघाराम, खेराजराम (26) पुत्र रेखाराम, मानाराम (45) पुत्र हिमताराम को गिरफ्तार कर लिया। सभी लोग सिणधरी थाना इलाके के सड़ा झुंड गांव के रहने वाले हैं। बाकी 3 आरोपियों की तलाश की जा रही है। एसपी कुंदन कंवरिया के निर्देशन में एएसपी धर्मेंद्र कुमार यादव, सिवाना डीएसपी नीरज शर्मा, बायतु डीएसपी गुमानाराम, बायतु और सिवाना के थानाधिकारी मौके पर पहुंचे। डीएसपी व साइबर टीम को भी बुलाया गया। एफएसएल टीम, एमओबी टीम ने मौके पर पहुंचकर सबूत जुटाए।

आरयू में अनशन पर बैठे छात्र की तबीयत बिगड़ी

अन्न त्यागा, इलाज नहीं कराने पर अड़ा; छात्र संघ चुनाव कराने की मांग

जयपुर। शुभम तीन मांगों को लेकर पिछले 7 दिनों से भूख हड़ताल पर है ।

राजस्थान में छात्र संघ चुनाव के ऐलान से पहले ही सियासी घमासान शुरू हो गया है। छात्रसंघ चुनाव फिर से शुरू करने समेत तीन सूत्री मांगों को लेकर पिछले 7 दिनों से अनशन पर बैठे छात्रा नेता शुभम की तबीयत बिगड़ने लगी है। प्रशासन ने उन्हें सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में एडमिट कराया है। वहीं छात्र नेता मांग नहीं माने जाने तक अन्न त्यागने और इलाज नहीं लेने की जिद्द पर हैं।

छात्र नेता शुभम रेवाड़ ने कहा- 18 जुलाई को यूनिवर्सिटी प्रशासन से एक एप्लीकेशन के माध्यम से ये पूछा था कि पिछले सालों में छात्रसंघ चुनाव के नाम पर ली जा रही फीस का यूनिवर्सिटी प्रशासन ने क्या किया है। इसके साथ यूनिवर्सिटी में एडमिशन के वक्त ली जाने वाली कॉशन मनी अब तक कितने स्टूडेंट्स को उनकी डिग्री समाप्त होने पर वापस दी गई। यूनिवर्सिटी की ओर से इन सवालों का जवाब नहीं दिया गया, जिसके खिलाफ कोर्ट में एफआईआर दर्ज की।

छात्र नेता ने कहा- मांगों को लेकर पिछले 7 दिनों से अनशन पर हूं लेकिन जबरदस्ती सोमवार रात राजस्थान यूनिवर्सिटी से उठाकर हॉस्पिटल में एडमिट करा दिया गया है। यूनिवर्सिटी प्रशासन जब तक तीनों मांगों को पूरा नहीं करेगा। तब तक न इलाज लूंगा और न ही अन्न ग्रहण करूंगा। चाहे इसके लिए अपनी जान ही क्यों ना देनी पड़े।

ये हैं तीन मांगे

जिन सालों में छात्रसंघ चुनाव नहीं हुए थे, तब-तब के रुपए स्टूडेंट्स को वापस की जाए।

कॉशन मनी के रुपए और पूरी जानकारी सार्वजनिक की जाए।

इस बार जो छात्रसंघ चुनाव शुल्क आम छात्रों से वसूला गया हैं, उसकी एवज में छात्रसंघ चुनाव का आयोजन कराया जाए।

चांदीपुरा वायरस फैलने पर जानवर का भी लिया जाएगा सैंपल

हेल्थ डिपार्टमेंट ने जारी की एडवाइजरी, संक्रमित के घर के आस-पास होगा सर्वे

जयपुर।

गुजरात से सटे जिलों में चांदीपुरा वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए हेल्थ डिपार्टमेंट ने एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी के मुताबिक इस वायरस से कोई बच्चा संक्रमित मिलता है तो उसके संपर्क में रहने वाले हर व्यक्ति और उसके घर के जानवर तक का सैंपल लिया जाएगा। इसके साथ ही जिस एरिया में केस मिलेगा उस घर के आस-पास के 50 घरों में सर्वे कर संदिग्धों की पहचान की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग के निदेशक डॉ. रवि प्रकाश माथुर की ओर से जारी गाइड लाइन में बताया- राजस्थान में डूंगरपुर में एक केस मिला है। गुजरात में इसके कई केस सामने आ चुके है। इसमें मौत होने का खतरा ज्यादा रहता है। इसे देखते हुए सभी जिलों के सीएमएचओ, मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल और सभी पीएमओ को निर्देश दिए है कि जो गाइड लाइन जारी की है, उसकी पालना करते हुए बीमारी को नियंत्रित करने का काम करें।

लक्षण दिखने पर तुरंत जिला हॉस्पिटल में भर्ती करने के निर्देश

एडवाइजरी में बताया- अगर कोई व्यक्ति के एक्यूट इंसिफेलाइटिस सिण्ड्रोम (एईएस) से ग्रसित या पॉजिटिव मिलता है तो उसे तत्काल प्रभाव से निकटतम जिला हॉस्पिटल या मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया जाए। इसके साथ ही पॉजिटिव केस की स्थिति में रोगी के संपर्क में आए लोगों के भी सैंपल लेकर पुणे भेजने के निर्देश दिए हैं। उस घर में अगर कोई पालतू जानवर है तो उसका भी सैंपल पशुपालन विभाग की टीम के जरिए लैब भिजवाए।

हाउस-टू-हाउस सर्वे करवाने के निर्देश

संदिग्ध केस मिलने की स्थिति में आशा, एएनएम और सीएचओ को भेजकर हाउस-टू-हाउस सर्वे करवाए और किसी तरह का संदिग्ध मिलने पर उसकी सूचना देने के निर्देश दिए। सर्वे के दौरान कोई भी संदिग्ध रोगी मिलता है तो पास के मेडिकल कॉलेज की माइक्रोबायोलॉजी टीम के जरिए सैंपल लेकर उसे पुणे स्थित लैब में भिजवाने के निर्देश दिए।

गुजरात से सटे इलाकों में विशेष निगरानी के निर्देश

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया- गुजरात राज्य के सीमावर्ती जिलों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। विभाग की ओर से जारी एडवाइजरी में बीमारी के लक्षण, जांच, उपचार, बचाव और नियंत्रण के संबंध में जानकारी दी है।

मक्खी-मच्छर मारने के लिए डीडीटी का छिड़काव करें

एडवाइजरी में गुजरात के सीमावर्ती जिलों के आसपास मच्छर-मक्खियों को मारने के लिए फोगिंग करवाने, डीडीटी का छिड़काव नगर निगम या नगर पालिका के जरिए करवाने के निर्देश दिए। ये छिड़काव कॉलोनियों में घरों के आसपास और पशुओं के बाड़ों के आस-पास करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथी ही घरों के आसपास उगी खरपतवार को भी नष्ट करवाने के निर्देश दिए।

महिला की गला घोंटकर हत्या का आरोप

जयपुर।

जयपुर में विवाहिता के फंदा लगाकर सुसाइड मामले में नया मोड़ आ गया है। विवाहिता के चचेरे भाई ने पति व सास पर गला घोंटकर हत्या करने का आरोप लगाया है। दरअसल, पति की मौत के बाद विवाहिता की देवर से शादी हुई थी। पूर्व मंगतेर से बातचीत को लेकर पति से विवाहिता का झगड़ा होता था। परिवार की शिकायत पर कोटखावदा थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसआई सुवालाल ने बताया- तूंगा निवासी कृष्ण कुमार (31) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उसकी चचेरी बहन कविता गुर्जर (26) की शादी मदनमोहनपुरा निवासी विनोद गुर्जर से हुई थी। कुछ समय पहले कविता के पति विनोद की रोड एक्सीडेंट में मौत हो गई। सामाजिक रीति रिवाज से कविता के देवर विकास से उसका नाता करवाकर चुड़ी पहना दी थी। उसके बाद विकास की पत्नी बनकर कविता ससुराल में रहने लगी। इस दौरान विकास की दूसरी लड़की से हुई सगाई को परिवारवालों ने खत्म कर दिया था। परिवार की सहमति से देवर-भोजाई का नाता करवा दिया था। विवाहिता कविता के भाई कृष्ण कुमार का आरोप है कि कविता के पत्नी बनने के बाद भी विकास सगाई होने वाली लड़की से कॉन्टैक्ट में था।

सीएम बोले- मंत्री एक दिन विधायकों की सुनवाई करें

मंत्रियों को हफ्ते में तीन दिन जयपुर रहने के निर्देश; कार्यकर्ताओं के साथ करें टिफिन बैठक

जयपुर।

सीएम भजनलाल शर्मा ने सभी मंत्रियों को सप्ताह में तीन दिन जयपुर में रहने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने कहा- इनमें से एक दिन मंत्री विधायकों की सुनवाई करें। विधायक अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं और कार्य लेकर जयपुर आते हैं। ऐसे में उनके काम होने चाहिए। मंत्री विधायक के क्षेत्र में अपने विभाग से संबंधित काम को प्राथमिकता से पूरा करें।

इसके साथ ही सीएम ने कहा- बजट घोषणाएं धरातल पर उतरें, इसके लिए जरूरी है कि सभी विधायक अपने-अपने क्षेत्र के लिए की गई घोषणाओं के एग्जीक्यूशन की निगरानी रखें। सीएम भजनलाल ने ये बातें सोमवार को विधानसभा में आयोजित बीजेपी विधायक दल की बैठक में कही।

विधायक कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनें और उनका समाधान करें

सीएम भजनलाल ने विधायकों को निर्देश दिए कि वे पार्टी कार्यकर्ताओं का भी पूरा ध्यान रखें। कार्यकर्ताओं की मेहनत की वजह से ही प्रदेश में बीजेपी की सरकार बनी है। ऐसे में जरूरी है कि कार्यकर्ताओं की भावनाओं का भी सम्मान किया जाए।

सीएम कहा- विधायक महीने में एक बार कार्यकर्ताओं के साथ टिफिन बैठक करें। विधायक कार्यकर्ताओं के साथ भोजन करते हुए उनसे क्षेत्र और उनकी व्यक्तिगत समस्याओं के बारे में जानें और उसे हल करने का प्रयास करें।

अगले महीने गुजरात में होगी चिंतन बैठक

विधायक दल की पिछली बैठकों में सीएम भजनलाल ने विधायकों को ट्रेनिंग देने की मंशा जाहिर की थी। इसके बाद अब यह तय किया गया है कि अगस्त में दो दिन की चिंतन बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक गुजरात में आयोजित हो सकती है।

इस बैठक में विधायकों को विधानसभा के नियमों, कार्यप्रणाली के प्रशिक्षण के साथ-साथ क्षेत्र की जनता के साथ संवाद की ट्रेनिंग भी दी जाएगी। सीएम पहले ही विधायकों से कह चुके हैं कि वह क्षेत्र की जनता के साथ लगातार संवाद बनाए रखें। वहीं विधायक का स्टाफ भी जनता के साथ शालीनता से पेश आए। इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

पत्नी ने हनीट्रेप में फंसाने की दी पति को धमकी

शादीशुदा होने की बात छिपाई, पहले पति के साथ मिलकर दिया धोखा

जयपुर।

शिवदासपुरा इलाके में पत्नी ने पति को हनीट्रेप में फंसाने की धमकी दी।

जयपुर में एक पत्नी के पति को हनीट्रेप में फंसाने की धमकी देने का मामला सामने आया है। शादीशुदा होने की बात छिपाकर दूसरे युवक को धोखा देकर शादी कर ली। दूसरी शादी के बाद पहले पति के साथ मिलकर हनीट्रेप में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगी। शिवदासपुरा थाने में पीड़ित पति ने अपनी पत्नी और उसके पहले पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने बताया- करौली निवासी विवेक (बदला हुआ नाम) ने शिवदासपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। साल-2021 में सांगानेर में रहकर वह कॉम्पिटिशन एग्जाम की तैयारी कर रहा था। उस दौरान उसकी जान-पहचान पड़ोस में रहने वाली शिखा (बदला हुआ नाम) से हुई। बातचीत के दौरान दोस्ती के बाद दोनों एक-दूसरे से प्यार करने लगे। शिखा ने खुद को अनमैरिड होना बताया, केवल लिव-इन में रवि (बदला हुआ नाम) के साथ रहना बताया।

नवम्बर-2022 में मनमुटाव होने

पर शिखा ने शिवदासपुरा थाने में उसके खिलाफ रेप का मामला दर्ज करवाया। दिसम्बर-2022 में दोनों में राजीनामा होने पर शादी करने का दबाव बनाया। आर्य समाज में शादी कर रजिस्टर्ड मेरिज के बाद दोनों साथ रहने लगे। आरोप है कि उसकी मौजूदगी और गैरमौजूदगी में लिव-इन पार्टनर रवि घर आने-जान लगा। इस बात को लेकर पति-पत्नी में झगड़ा होने लगा।

आरोप है कि पत्नी शिखा ने लिव-इन पार्टनर रवि के साथ मिलकर उसे झूठे मुकदमें में फंसाने की धमकी देकर रुपयों की मांग करना शुरू कर दिया। पत्नी शिखा और रवि मिलकर हनीट्रेप में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर उसे टॉर्चर करने लगे। झगड़ा होने पर रवि ने शिखा का पति होने का दावा किया। पीड़ित के जानकारी करने पर पत्नी शिखा की रवि से पहले से शादी होने का पता चला। पहले से शादीशुदा होने के बाद भी अनमैरिड बताकर उससे शादी की गई। धोखे का पता चलने पर पीड़ित ने शिवदासपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई।

छेड़छाड़ के आरोपी युवक की पीड़िता के घर में मौत:भाई बोला-लड़की के परिजन ने मार डाला; इंस्टाग्राम वीडियो में कहा था-मुझे मिलने बुलाया है

टोंक।

टोंक जिले में सोमवार को छेड़छाड़ के आरोपी युवक की पीड़िता के घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक के भाई ने नाबालिग लड़की के परिजन पर हत्या का मुकदमा दर्ज करवाया है। युवक ने लड़की के घर जाने से पहले इंस्टाग्राम पर एक वीडियो भी शेयर किया था। इसमें उसने बताया था कि लड़की के घरवालों ने समझौता करने के लिए बुलाया है। मामला सोप थाना इलाके का है।

थानाधिकारी राजेश तिवाड़ी ने बताया- लड़की के परिजन ने सोमवार रात करीब 12:30 बजे पुलिस को सूचना दी कि आरोपी उनके घर में आ गया और एक कमरे में घुसकर अंदर से कुंडी लगा ली है। रात करीब एक बजे मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को आवाज लगाई, लेकिन उसका कोई जवाब नहीं आया। पुलिस ने कमरे की खिड़की तोड़कर उसे बाहर निकाला। वह बेहोशी की हालत में था। उसे अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मंगलवार को पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजन को सुपुर्द किया गया।

नकली गोल्ड देकर व्यापारी से 2 लाख रुपए ठगे

तीन बदमाशों में एक महिला भी शामिल, पिता की खराब तबीयत का बनाया था बहाना

जयपुर।

जयपुर में नकली गोल्ड देकर व्यापारी से 2 लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने कस्टमर बनकर कपड़ा व्यापारी से जान-पहचान बढ़ाई थी। इसके बाद नकली गहने गिरवी रखकर रुपए लेकर भाग गए। चाकसू थाने में व्यापारी से रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

एसआई दिनेश चन्द ने बताया- दलपतपुरा चाकसू निवासी विनोद सिंह नरुका (27) की चाकसू सब्जी मंडी के पास बाईसा राजपूती परिधान की दुकान है। पिछले कई दिनों से दो आदमी और एक औरत दुकान पर आकर कपड़ों की खरीददारी कर रहे थे। दुकान पर आने के चलते उनसे जान-पहचान हो गई।

जांच करने पर नकली गोल्ड का चला

26 जुलाई को वह दुकान पर गोल्ड लेकर आए और बोले- पिताजी की तबीयत खराब है। लिवर के ऑपरेशन के लिए डॉक्टर ने दो लाख रुपए मांगे है। गोल्ड गिरवी रखकर दो लाख रुपए ब्याज पर मांगे। अगले दिन सुबह व्यवस्था करके उन्हें रुपए दे दिए। गोल्ड की जांच करवाने पर नकली होने का पता चला। इसके बाद चाकसू थाने में ठगी का मामला दर्ज करवाया।

आमेर महल घूमने आई विदेशी महिला से छेड़छाड़:किले की टनल में की गलत हरकत, तीन बदमाशों को किया गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर में विदेशी महिला से छेड़छाड़ करने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। तीनों बदमाशों ने 28 जुलाई को आमेर महल की टनल में घूमने के दौरान अर्जेंटीना की महिला को परेशान कर छेड़छाड़ की थी। इसकी जानकारी आमेर महल में ड्यूटी पर मौजूद होमगार्ड के प्लाटून कमांडर हरीश शर्मा को मिली। इसके बाद हरीश विदेशी महिला को लेकर आमेर थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज करवाई।

एडिशनल डीसीपी नॉर्थ रानू शर्मा ने बताया- विदेशी महिला अपने कुछ दोस्तों के साथ 28 तारीख को आमेर महल में बनी हुई टनल में घूम रही थी। इसी दौरान टनल में मौजूद युवकों ने उनके साथ गलत हरकत की। विदेशी महिला ने सबसे पहले होमगार्ड के जवान को जानकारी दी। इसके बाद आमेर थाना पुलिस को सूचना दी गई। विदेशी महिला द्वारा अज्ञात बदमाशों के खिलाफ शिकायत दी गई।

सीएम को धमकी के बाद 125 जेलों में सर्च ऑपरेशन

जोधपुर में बैरक की छत पर मिला मोबाइल; अलवर सेंट्रल जेल में नहीं मिली कोई संदिग्ध वस्तु

जयपुर।

दौसा जिले की श्यालावास जेल से शनिवार रात 2 बजे एक कैदी ने जयपुर कंट्रोल रूम फोन कर सीएम भजनलाल को जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद पूरे प्रदेश की जेलों में पुलिस और जेल स्टाफ का संयुक्त सर्च अभियान शुरू हो गया है।

सोमवार को प्रदेश की 15 जेलों में सर्च अभियान किया गया। जेल मुख्यालय की ओर से सभी जिला जेल अधीक्षकों को सर्च करने के आदेश दिये गए। इस सर्च के दौरान पुलिस को जेल से क्या मिला, इसे लेकर जेल विभाग जानकारी जुटा रहा है। सर्च अभियान मंगलवार को भी जारी है। डीजी जेल राजेश निर्वाण का कहना है कि प्रदेश की जेलों की सुरक्षा के लिए? उच्च स्तरीय जांच करवाई जा रही है। मोबाइल, सिम कार्ड, मादक पदार्थ?सहित अन्य चीजें रोकने के लिए बड़े स्तर पर बदलाव किए जाएंगे। इसके? लिए जेल विभाग नई एसओपी तैयार करेगा। बार-बार मिल रही शिकायतों ?वाली जगह पर स्टाफ बदलेंगे? एडीजी जेल रूपेन्द्र सिंह ने बताया- प्रतिबंधित वस्तु जेल में जाने की सूचना पर समय-समय पर जिला प्रशासन, पुलिस और जेल अपने स्तर पर सर्च अभियान चलाते हैं।

कोटा में 20 कोच की वंदे भारत का ट्रॉयल

160 किमी की रफ्तार से दौड़ी, यात्रियों के वजन के बराबर भार रखकर की टेस्टिंग

कोटा।

कोटा मंडल में इन दिनों वंदे भारत रैक का ट्रॉयल (परीक्षण) किया जा रहा है। आज 20 रैक का ट्रॉयल लाखेरी से गुड़ला के बीच तीन बार किया गया। ट्रॉयल के दौरान वंदे भारत को दिल्ली-मुंबई अप लाइन पर गुडला से लाखेरी के बीच 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ाया गया।

160 किमी रफ्तार पर कपलर फोर्स मापा गया। कपलर और पहियों में लगे कई सेंसर से डाटा इकठ्ठा किया गया। इस रैक का ट्रायल आरडीएसओ के संयुक्त निर्देशक (परीक्षण) एस के यादव के निर्देशन में किया जा रहा है। कोटा के ट्रैफिक निरीक्षक अरविंद पाठक व लोको निरीक्षक नाहर सिंह ने लखनऊ टीम के साथ को-आर्डिनेट किया। बता दें इससे पहले कोटा मंडल में 18 कोच की वंदे भारत रैक का 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से सफल ट्रायल किया गया था। अब इस रैक में दो कोच बढ़ाए गए है। आपातकालीन ब्रेकिंग सिस्टम और कपलर सिस्टम में कुछ बदलाव किया गया है। इस कारण फिर से यह ट्रायल ब्रेकिंग सिस्टम बिहेवियर के विभिन्न तकनीकी मानकों के विश्लेषण के लिए किया जा रहा है। यह ट्रॉयल 4 अगस्त तक चलना है। ट्रायल में मंगलवार को विशेष रूप से 160 किमी से अधिक की रफ्तार पर रैक के दो कोचों को जोड़ने वाले कपलर पर लगने वाले बल का विश्लेषण के लिए किया गया, जिसमें सभी कोचों में यात्रियों के वजन के बराबर भार रखा गया। बुधवार को लाखेरी-कोटा के बीच आपातकालीन ब्रेकिंग के डाटा विश्लेषण के लिए ट्रायल किया जाएगा।

आज से बी-2 बाईपास क्लोअर लीफ पर यातायात होगा शुरू

आमजन की राह होगी सुगम, बी - 2 बाईपास चौराहा बनेगा पहला ट्रेफिक फ्री जंक्शन

जयपुर।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा एवं नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा के नेतृत्व में जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा यातायात सुधारीकरण कार्य के तहत बी - 2 बाईपास क्लोअर लीफ पर पर आज से यातायात आवागमन हेतु खोल दिया जायेगा। जिससे आमजन की राह सुगम होगी। जयपुर विकास आयुक्त मंजू राजपाल ने बताया कि बी-2 बाईपास जंक्शन को सिग्नल फ्री करने के पश्चात् किसी भी दिशा से आने वाला यातायात किसी भी दिशा में निर्बाध रूप से जा सकेगा। जवाहर सर्किल से मानसरोवर एवं मानसरोवर से जवाहर सर्किल की तरफ जाने वाला यातायात अण्डरपास का उपयोग करते हुए निर्बाध रूप से जा सकेगा। सांगानेर की ओर से आने वाला यातायात बॉयी ओर मानसरोवर की तरफ एवं सीधा जयपुर शहर की तरफ जा

सकेगा इसके अतिरिक्त क्लोवर लीफ का उपयोग करते हुए जवाहर सर्किल एवं जगतपुरा की ओर जा सकेगा। दुर्गापुरा की ओर से आने वाला यातायात सीधा सांगानेर की तरफ जा सकेगा एवं मानसरोवर के लिए क्लोवर लीफ का उपयोग करते हुए जा सकेगा। मानसरोवर से आने वाला यातायात क्लोवर लीफ का उपयोग करते हुए सांगानेर की तरफ जा सकेगा। उक्त प्रोजेक्ट की लागत 161.00 करोड रूपये है। अण्डरपास का कार्य पूर्ण कर दिनांक 15.03.2024 को लोकार्पण किया जा चुका है। टोंक रोड़ पर रैम्प एवं डामरीकरण का कार्य पूर्ण कर 30 मई 2024 को यातायात प्रारम्भ कर दिया गया है। टोंक रोड पर दो क्लोवर लीफ का कार्य पूर्ण कर आज से यातायात प्रारम्भ किया जाना है।

उल्लेखनीय है कि बी-2 बाईपास जंक्शन, टोंक रोड पर एक प्रमुख जंक्शन है जो कि दुर्गापुरा को सांगानेर, प्रतापनगर एवं सीतापुरा औधोगिक क्षेत्र से जोडता है। इसके अतिरिक्त यह जंक्शन होटल, वैवाहिक स्थल, व्यवसायिक क्षेत्र, हॉस्पिटल एवं हवाई अड्डो आदि स्थित है। वर्तमान में इस जंक्शन पर व्यस्ततम समय में ट्रैफिक जाम की बहुत बडी समस्या रहती है जिससे समय के साथ-साथ ईंधन की भी बर्बादी होती है। इसके समाधान हेतु जेडीए द्वारा बी-2 बाईपास चौराहें को ट्रैफिक सिग्नल मुक्त जंक्शन बनाया गया है। जिसमें जवाहर सर्किल से मानसरोवर की तरफ अण्डरपास एवं टोंक रोड पर बजरी मंडी एवं रामदास अग्रवाल तिराहे पर क्लोवर लीफ के निर्माण के साथ विधुतीकरण का कार्य किया गया है।

नेपाल से आता था गैंग.... घटना को अंजाम दे हो जाता था फरार

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में ग्रीन फील्ड में हुई लूट की घटना में पांच आरोपियों को अरेस्ट किया है। इनमें एक नौकरानी भी शामिल है। जब इन आरोपियों को पकड़ा तब वे दिल्ली में दूसरी लूट की घटना को अंजाम देने की योजना कर रहे थे। पुलिस की शुरुआती पूछताछ में सामने आया है कि यह गैंग दिल्ली, गुड़गांव, जयपुर, लुधियाना सहित फरीदाबाद 9 वारदातों को अंजाम दे चुका था। पुलिस के पकड़े गए आरोपी अभी तक छह करोड़ से अधिक की लूट और चोरी कर चुके हैं। गिरोह का मुखिया पहले भी फरीदाबाद में साल 2022 में वारदात को अंजाम दे चुका है। पुलिस के अनुसार वह उस केस में फरार था। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपियों से खुलासा हुआ है कि ये नेपाल में पहले व्हाट्सऐप पर प्लानिंग करते थे। इस दौरान जरूरत होने पर नए साथियों को जोड़ते थे। इसके इंडिया और फिर जिस जिले में वारदात को अंजाम देना होता था उसके आस पड़ोस के जिलों में किराए पर मकान लेते थे। नेपाल के कैलाली जिले के सारे युवा इसी अपराध से जुड़े हैं। ये इंडिया में आकर घटना को अंजाम देकर नेपाल भाग जाते हैं। ये आरोपी इतने शातिर है कि पकड़े न जाए इसलिए एक जिले में एक साल में एक ही घटना को अंजाम देते थे।

सिंधुदुर्ग जिले के जंगल में लोहे की जंजीर से जकडी मिली अमेरिकन महिला

मुंबई। महाराष्ट्र के सिंधु दुर्ग जिले के जंगल में 50 वर्ष की अमेरिकन महिला पेड़ में बंधी हुई मिली है। लोहे की जंजीरों से बांधकर इसे रखा गया था। इस महिला के पास अमेरिका के पासपोर्ट की फोटो कॉपी और तमिलनाडु के पते वाला आधार कार्ड मिला है। महिला की मानसिक हालत खराब है, महिला जख्मी भी है। उसे इलाज के लिए गोवा मेडिकल कॉलेज में भेजा गया है। महिला की पहचान उसके पास से मिले आधार कार्ड से हुई है। उसका नाम ललिता कायी है। उसका निवास स्थान तमिलनाडु का है, जो दस्तावेजों में लिखा हुआ है। उसके कागजों में एक डॉक्टर का परचा भी पुलिस को मिला है। स्थानीय पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच में पता चला है। यह अमेरिकी महिला 10 साल से भारत में रह रही है। उसके वीजा की वैधता खत्म हो चुकी है। महिला जिस हालत में मिली है। वह बयान देने की स्थिति में नहीं है। इसको कई दिनों से कुछ खाने-पीने के लिए नहीं मिला है। जिसके कारण यह बहुत कमजोर है। बोलने लायक स्थिति में नहीं है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उत्तरकाशी में फटे बादल, दर्जनों नहरें बहने से कई खेत बर्बाद, घरों में घुसा पानी

देहरादून। उत्तरकाशी में बादल फटने से नाकुरी गाड़ के बरसाली क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ है। सिंगोट में लोगों के खेत बर्बाद हो गए। घरों में पानी भर गया है। सुरक्षा दीवार बह जाने से गांव के लिए खतरा पैदा हो गया है। सोमवार रात को भारी बारिश और बादल फटने की घटना से नाकुरी गाड़ में बाढ़ आने से ग्रामसभा सिंगोट, ग्रामसभा मांगली सेरा, ग्रामसभा बरसाली के नाकुरी में काश्तकारों को भारी नुकसान हुआ है। लोगों के शौचालय, छानिया और घर क्षतिग्रस्त हो गए। दर्जनों नहरें बाढ़ में बह जाने से सिंचाई की समस्या उत्पन्न हो गई है। मौसम विभाग की ओर से देहरादून, टिहरी, पौड़ी, हरिद्वार, अल्मोड़ा, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चम्पावत, नैनीताल और ऊधमसिंह नगर जिले में भारी से भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है अन्य जिलों में भी तेज गजर के साथ तेज बारिश होने की संभावना है। राज्य में 131 मार्ग बंद हैं। इसमें सबसे ज्यादा पिथौरागढ़ और चमोली जिला प्रभावित हैं। पिथौरागढ़ जिले में दो बार्डर रोड और 21 ग्रामीण मार्ग बंद हैं। चमोली में 23 ग्रामीण मार्ग प्रभावित हैं। बागेश्वर में एक जिला मार्ग, दो मुख्य जिला मार्ग और 13 ग्रामीण मार्ग, उत्तरकाशी में एक राज्य मार्ग, एक मुख्य जिला मार्ग और सात ग्रामीण मोटर मार्ग और देहरादून में दो राज्य मार्ग, एक अन्य मार्ग और 15 ग्रामीण मार्ग बंद हैं।

आज से तीन दिन दिल्ली में हो सकती है झमाझम, येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में उमस भरी गर्मी के बीच तीन दिन यानी मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को अच्छी बारिश हो सकती है। तीनों दिन आसमान में बादल छाए रहेंगे। गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी कर दिया है। इस मानसून में मौसम विभाग के अधिकांश पूर्वानुमान गलत साबित हुए हैं। ऐसे में इन तीनों दिनों में बारिश कैसी होगी यह कितना सही निकलेगा, समय आने पर ही पता चलेगा। दिल्ली में आज भी सुबह से ही तेज धूप खिली है। उमस से लोगों का बुरा हाल है। फिलहाल बारिश होने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा 30.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है जबकि अधिकतम तापमान 38 डिग्री रह सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक दो तीन दिन अच्छी बरसात के बाद फिर दो दिन हल्की बारिश होने का अनुमान है जबकि उसके बाद सप्ताहांत में फिर से अच्छी बरसात और येलो अलर्ट का पूर्वानुमान है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 92 है, जो संतोषजनक है।

एआई के उपयोग से नौकरियों पर बढ़ेगा खतरा? सरकार ने कहा गलत

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई को लेकर कई तरह की शंकाएं हैं। माना जा रहा है कि एआई के इस्तेमाल से नौकरियों का संकट खड़ा हो जाएगा और बेरोजगारों की संख्या बेलगाम हो जाएगी। इस पर केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को संसद को बताया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रयोग से भारत में नौकरियां नहीं जाएंगी और कहा कि इसके विपरीत यह नई तकनीक नई नौकरियों के अवसर खोलेगी। एआई के कारण नौकरियों के नुकसान की चिंताओं पर लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने उनसे प्रश्न पूछे थे। इस सवाल का जवाब देते हुए मांडविया ने कहा, जब इंटरनेट आया तो इसी तरह की अटकलें लगाई गई थीं कि इससे नौकरियां जाएंगी। जब कंप्यूटर आए, तब भी ऐसी ही बातें हुई थीं। लेकिन आज हम जानते हैं कि इस तरह की तकनीकी उन्नति से और ज्यादा अवसर ही मिले हैं। इसलिए एआई का प्रयोग नौकरियों के नए अवसर ही प्रदान करेंगे। इस दौरान मनसुख मांडविय श्रम मंत्री ने यह भी कहा कि मोदी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से देश में बेरोजगारी दर में काफी कमी आई है। उन्होंने कहा कि श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 38 प्रतिशत से बढ़कर 44 प्रतिशत हो गई है। पश्चिम बंगाल में पर्याप्त नौकरियों की कमी के बारे में बनर्जी के सवाल उठाए जाने पर मंत्री ने निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग राज्य में इंडस्ट्रीज के सामने आंदोलन चलाते रहते हैं, उन्हें यह पता होना चाहोगे कि इसका असर नौकरियों पर भी पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राज्य की आबादी को देखते हुए, राज्य सरकार को ज्यादा निवेश और उद्योगों को अपनी ओर आकर्षित करना चाहिए था।

बिहार में भाजपा वैश्य समाज को क्यों दे रही तवज्जो

पटना। 2025 में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व अपनी तैयारी पूरी करने में जुटा है। वैश्य भाजपा का कोर वोटर है। वैश्य लोकसभा चुनाव में भाजपा से नाराज दिखे।अब वैश्य जाति के लोगों ने लोकसभा चुनाव में थोड़ी बेरुखी क्या दिखाई इन पर पदों की वर्षा होने लगी। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने वैश्य की नाराजगी को दूर करने को डॉ. दिलीप जायसवाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर राज्य की बागडोर थमा दी। डॉ.जायसवाल लगातार तीसरी बार एमएलसी बने हैं। पार्टी के कोषाध्यक्ष भी रहे हैं। हालांकि ये दूसरे दल से भाजपा में आए। वैसे दूसरे दल से आने वाले तीसरे विधान पार्षद हैं जो प्रदेश अध्यक्ष हैं। इसके पहले संजय जायसवाल और सम्राट चौधरी भी दूसरे दल से आकर प्रदेश अध्यक्ष बने हैं। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने डॉ. संजय जायसवाल को लोकसभा का मुख्य सचेतक बनाया गया। इसके पहले डॉ. जायसवाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं। ये पश्चिम चंपारण (बेतिया) से लगातार चार बार सांसद रहे हैं। ये लगातार वर्ष 2024, वर्ष 2019, वर्ष 2014 और वर्ष 2009 लोकसभा चुनाव में जीत का परचम लहराया है। दरभंगा विधायक संजय सरावगी को बिहार विधान सभा का सचेतक बनाया। संजय दरभंगा से पहली बार अक्टूबर 2005 में विधायक बने। फिर उसके बाद 2010, 2015 और 2020 का विधान सभा का चुनाव भी जीते। पार्टी ने इन्हें विधान सभा के सचेतक की जिम्मेदारी दी है। 2022 में कुढ़नी विधान सभा उप चुनाव में जदयू के प्रत्याशी मनोज कुशवाहा को तीन हजार से भी ज्यादा मतों के अंतर से हराया था।

'राष्ट्रहित का राजनीतिकरण न करें', राज्यसभा में बोले जेपी नड्डा, बजट में सभी का रखा गया ध्यान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हाल ही में एक संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) की प्रभावशीलता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह पहली बार था जब भारत में ग्रामीण सड़क विकास के लिए एक व्यापक और अचूक योजना शुरू की गई थी। राज्यसभा में केंद्रीय बजट पर बोलते हुए नड्डा ने कहा कि 60 साल पहले, जब नेहरू लगातार 3 बार चुनाव जीते, तो देश में आजादी का उत्साह था और उनका मुकाबला बेहद कमजोर और बिखरे हुए विपक्ष से था। हालाँकि, 2024 में, मोदी जी ने एक मजबूत विपक्ष के खिलाफ अपना तीसरा कार्यकाल जीता। यह जनादेश स्थिरता, निरंतरता, सुशासन और विकसित भारत के विकास के लिए है।

नड्डा ने आगे कहा कि इस बार का बजट सर्वसमावेशी है। ये सतत विकास और आर्थिक लचीलापन का बजट है। आज दुनिया के विकसित देशों की आर्थिक स्थितियां डगमगा रही हैं, लेकिन हम economic resilience के साथ कोविड महामारी के बाद मजबूती के साथ खड़े हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इस बजट के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र बुनियादी ढांचे का विकास, तकनीकी नवाचार, सामाजिक कल्याण और सभी के लिए समान अवसर हैं। यह दूरदर्शी बजट है जो विकास को गति देने वाली नीतियों को गति देगा। यह बजट सभी का ख्याल रखता है।

उन्होंने कहा कि यह बजट व्यापक और आर्थिक सामाजिक विकास को समर्पित है। इस बजट की प्राथमिकता है- बुनियादी ढांचे का विकास, तकनीकी नवाचार, समाज कल्याण। ये बजट पासपोर्ट समान अवसर पद वाला है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इसके बाद आप बजट की कितनी ही बातें कर लो, वो देश के लिए कितने हित का था, वो समझ आ जाता है। आंकड़ों से देश नहीं चलता है, लीक प्रूफ व्यवस्था के साथ last mile delivery assurance जरूरी है। इसलिए मोदी जी ने डीबीटी को डिजिटल इंडिया बनाया और डीबीटी के माध्यम से 37 लाख करोड़ रुपये देश के आम नागरिकों के बैंक खाते में सीधे भेजे गए।

जेपी नड्डा ने कहा कि रिसाव प्रमाण और अंतिम मील वितरण आश्वासन जरूरी है, लेकिन लंबे समय तक जो लोग देश पर राज कर रहे हैं, वे इस ओर ठोस कदम नहीं उठा पाते हैं। इस कारण से बातचीत और लाइक का गहरा रिश्ता बना हुआ है। एक समय तो ऐसा था, जब प्रधानमंत्री ने कहा था कि मैं एक रुपया भेजता हूं, 85 पैसे के बीच में ही खत्म हो जाता है, 15 पैसे ही उनमें से एक है। उन्होंने कहा कि कई बार लोग कहते हैं कि मिडिल क्लास का क्या हुआ? उजाला योजना के तहत वितरित एलईडी बल्ब के कारण 20 हजार करोड़ रुपये का बिजली बिल कम हुआ और 47.7 मिलियन किलो वाट ऊर्जा बचाई गई।

नड्डा ने कहा कि उसी तरह सौभाग्य योजना के तहत 2 करोड़ 60 लाख घरों को बिजली का कनेक्शन दिया गया। आवास योजना के तहत 4 करोड़ घर हम बना चुके और मोदी 3.0 की पहली कैबिनेट में फैसला किया गया कि हम 3 करोड़ अतिरिक्त नए घर बनाएंगे। जल जीवन मिशन के तहत 11 करोड़ से अधिक जल कनेक्शन दिए गए और IIM Bangalore का कहना है कि करीब 2 करोड़ रोजगार सिर्फ जल जीवन मिशन से सृजित होंगे।

गुजरात में आप और कांग्रेस साथ... केजरीवाल के समर्थन में किया प्रदर्शन

अहमदाबाद। लोकसभा चुनावों में बाद कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की दोस्ती दिल्ली और हरियाणा में भले ही खत्म हुई है, लेकिन गुजरात में इंडिया गठबंधन के तहत दोनों पार्टियां एक साथ हैं। मंगलवार को आम आप ने मुख्यमंत्री और पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल की रिहाई की मांग को लेकर अहमदाबाद में प्रदर्शन किया। लंबे समय बाद सड़क पर उतरी आप के प्रदर्शन में कांग्रेस के नेताओं ने भी शिरकत की। गुजरात में कांग्रेस और आप ने मिलकर चुनाव लड़ा था। राज्य की 26 लोकसभा सीटों पर दो सीटें आप और बाकी पर कांग्रेस लड़ी थी। इसमें पार्टी के दूसरे विधायक भी मौजूद रहे। आप के प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी की अगुवाई में हुए प्रदर्शन में कांग्रेस की ओर विधायक इमरान खेड़ावाला और अहमदाबाद शहर अध्यक्ष हिम्मतभाई पटेल ने इसमें शिकरत की। इस मौके पर गढ़वी ने कहा कि जेल में बीजेपी के अत्याचार झेल रहे केजरीवाल का स्वास्थ्य बिगड़ता जा रहा है। विरोध प्रदर्शन के कार्यक्रम को आप गुजरात विधायक दल के नेता चैतर वसावा ने भी संबोधित किया है। वसावा ने कहा कि आप को खत्म करने की साजिश में आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन को झूठे मामलों में जेल में डाल दिया गया है। आप ने अहमदाबाद स्थित प्रदेश कार्यालय से इनकम टैक्स ऑफिस पदयात्रा निकाली। लोकसभा चुनावों के बाद यह पहला मौका है जब कांग्रेस पार्टी ने आम आदमी पार्टी की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। इससे पहले राहुल गांधी के दौरे में आप नेता नहीं पहुंचे थे। दोनों दलों के बीच समन्वय देखने को नहीं मिला था, लेकिन दो राज्यों में भले ही कांग्रेस और आप की राहें अलग हो गई हैं लेकिन गुजरात में दोनों दलों के एक साथ रहने की संभावना है।

जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद से मुक्त कराने के लिए क्या कर रही सरकार? गृह मंत्रालय ने लोकसभा में दी बड़ी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में एक महीने से अधिक समय में आतंकी हमलों में बढ़ोतरी के बीच, केंद्र सरकार ने मंगलवार को लोकसभा को क्षेत्र में 'आतंकवादी इको-सिस्टम को खत्म करने' के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी दी। संसद के चल रहे मानसून सत्र में भाजपा सांसद प्रदीप कुमार सिंह के 'अतारांकित प्रश्न' के लिखित उत्तर में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने केंद्र शासित प्रदेश में निरंतर शांति और स्थिरता लाने के लिए केंद्र द्वारा अपनाए गए तरीकों को सूचीबद्ध किया।

प्रदीप कुमार सिंह ने 'अतारांकित प्रश्न' में पूछा, 'क्या सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद से मुक्त बनाने के लिए कोई ठोस कदम उठाया है?' सवाल का जवाब देते हुए, MoS ने कहा कि सरकार ने 'आतंकवादियों और समर्थक संरचनाओं के खिलाफ निरंतर कार्रवाई', आतंक के वित्तपोषण पर कार्रवाई और राष्ट्र-विरोधी संगठनों पर प्रतिबंध लगाने पर जोर दिया है। उन्होंने बताया कि सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति है। सरकार का दृष्टिकोण आतंकी इको-सिस्टम को नष्ट करना है। जम्मू-कश्मीर में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए सुरक्षा उपायों को मजबूत किया जा रहा है।

राय ने आगे बताया कि जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं को रोकने के लिए अपनाई गई रणनीतियों और की गई कार्रवाई में आतंकवादियों और सहायक संरचनाओं के खिलाफ प्रभावी, निरंतर और निरंतर कार्रवाई शामिल है। संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण का उपयोग करके आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट करना। कानून की प्रासंगिक धारा के तहत आतंकवादियों और उनके सहयोगियों से संबंधित संपत्तियों की जब्ती/कुर्की और राष्ट्र-विरोधी संगठनों पर प्रतिबंध जैसे आतंकी वित्त पर कार्रवाई शामिल है।

21 जुलाई, 2024 तक के आंकड़ों को सूचीबद्ध करने वाले सरकार के जवाब के अनुसार, इस वर्ष इस क्षेत्र में 11 'आतंकवादी-प्रेरित घटनाएं' हुई हैं। जम्मू-कश्मीर में मुठभेड़ों और आतंकवाद विरोधी अभियानों की संख्या 24 दर्ज की गई, जिसमें अब तक कार्रवाई में 14 सुरक्षा बल के जवान मारे गए हैं, और 14 नागरिकों की जान चली गई है। इस वर्ष 'संगठित पथराव और संगठित हड़ताल' की कोई घटना सामने नहीं आई है।

जिसकी वजह से हारे हैं, फिर उसी राह पर चल रहे, लव जिहाद कानून को लेकर अखिलेश ने साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि ये लव जिहाद जो कानून आ रहा है, उससे भाजपा से आप क्या उम्मीद करते हैं? ये नौकरी थोड़ी देंगे, इन्होंने महंगाई बढ़ाई, नौकरी नहीं दी और अभी भी वे उसी रास्ते पर हैं जिसकी वजह से वे हारे हैं। ये इस तरह का कानून इसलिए ला रहे हैं क्योंकि इनका साम्प्रदायिकता का दीया बुझने जा रहा हैय चाचा को गच्चा किसी ने नहीं दिया, ये दिल्ली वालों को गच्चा दे रहे हैं। ये 'सह-योगी' हैं, जिन्होंने सहयोग दिया है।

बता दें कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध (संशोधन) विधेयक, 2024 विधानसभा में पेश किया, जिसमें लव जिहाद मामलों में आजीवन कारावास की कठोर सजा का प्रस्ताव किया गया है। जहां भाजपा ने इस कदम का स्वागत किया, वहीं विपक्ष नाखुश नजर आया और इसे भाजपा द्वारा नकारात्मक राजनीति करने के लिए विभाजनकारी कदम बताया। यह कहते हुए कि उत्तर प्रदेश गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध अधिनियम, 2021 के तहत मौजूदा प्रावधान अपर्याप्त हैं, योगी सरकार ने मौजूदा विधेयक में संशोधन का प्रस्ताव दिया, जिसमें सजा को अधिकतम दस साल से बढ़ाकर आजीवन कारावास, जमानत देना शामिल है।

यूपी सरकार द्वारा प्रस्तावित संशोधनों का भाजपा ने स्वागत करते हुए कहा है कि यह कदम सही दिशा में उठाया गया कदम है। समाचार एजेंसी आईएएनएस की रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि, समाजवादी पार्टी ने इस कदम को 'विभाजनकारी' करार दिया, जिसका उद्देश्य समाज में शत्रुता पैदा करना है। यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार सुबह विधानसभा पहुंचते ही संवाददाताओं से कहा कि प्रस्तावित संशोधनों का स्वागत किया जाना चाहिए क्योंकि यह ऐसी प्रथाओं के खिलाफ निवारक के रूप में कार्य करेगा। भाजपा नेता मोहसिन रजा ने कहा कि कानून में संशोधन से अवैध धार्मिक रूपांतरण से निपटने में मदद मिलेगी क्योंकि 'लव जिहाद' के मामलों में वृद्धि हुई है, जहां बहरूपिये किसी लड़की से शादी करने के लिए अपनी पहचान छिपाते हैं और फिर उसे धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करते हैं।

370 हटने का दर्द : पाकिस्तान से आया मैसेज, जम्मू कश्मीर में होंगे कई बड़े आतंकी हमले

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर से आर्टिकल 370 को उखाड़ फेंकने की तारीख 5 अगस्त है। मतलब अगले माह 370 के हटने की पांचवीं वर्षगांठ है। ये पाकिस्तान को हजम नहीं हो रही है। खुफिया एजेंसियों की मानें तो ये आतंकी घाटी में अगस्त महीने में आतंकवादी हमला कर सकते हैं। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने सीमा पार से आतंकवादियों के मैसेज को डिकोड किया है। मैसेज डिकोड करने से जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक, पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन आर्टिकल 370 हटने की पांचवीं वर्षगांठ पर जम्मू-कश्मीर में बड़े आतंक घटना को अंजाम दे सकते हैं। दरअसल, साल 2019 में केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 को हटा दिया था। इसके बाद से जम्मू-कश्मीर में लगातार विकास योजनाएं प्रगतिशील हैं। साथ ही केंद्र सरकार आने वाले दिनों में जम्मू-कश्मीर में चुनाव भी कराने जा रही है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और सेना इसी वजह से बेहद नाराज है। इसलिए पाकिस्तान घाटी का माहौल बिगाड़ने के लिए आतंकवाद का सहारा ले रहा है। वे चाहते हैं कि कश्मीर में किसी तरह चुनाव न हो। ध्यान रहे कि अगस्त के पहले सप्ताह में ही चुनाव आयोग जम्मू-कश्मीर में चुनाव को लेकर समीक्षा बैठक करने जा रहा है और इसी महीने जम्मू कश्मीर में चुनाव को लेकर तिथि भी घोषित की जा सकती है। खुफिया एजेंसी के एक अधिकारी के मुताबिक, इस साल केंद्र में नई सरकार के शपथ ग्रहण के दिन यानी 9 जून को ही आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले शुरू कर दिए थे। इसके बाद आतंकियों ने आतंकवादी बुरहान वानी की बरसी (8 जुलाई) को भी जम्मू-कश्मीर में आतंकी वारदात की थी। इन घटनाओं के बाद से खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों की ओर से भारत आने वाले संदेशों पर लगातार निगाह रखना शुरू कर दिया था। इसके मुताबिक, अब पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन अगस्त महीने में जम्मू-कश्मीर में बड़ी आतंकवादी कार्रवाई करने की फिराक में हैं। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, आतंकवादियों से स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि वह अगस्त महीने में हर संभव बड़ी वारदात करने की कोशिश करें। पाकिस्तानी आकाओं ने साफ कहा है कि चाहे सुरक्षा बलों पर ग्रेनेड फेंकना हो, सैनिक ठिकानों पर आत्मघाती हमला करना हो या फिर निर्दोष आम नागरिकों की हत्या करना हो, इस महीने में जम्मू कश्मीर में किसी भी कीमत पर कोहराम मचाना है।

लालू का आरोप, 13 दिनों में 7 रेल दुर्घटनाएं... ताबूत बन गए डिब्बे

पटना (एजेंसी)। झारखंड के चक्रधरपुर में हुए ट्रेन हादसे में दो की मौत और कई घायल हैं। हाल के दिनों में हुए रेल हादसों पर पूर्व रेलमंत्री और आजेरडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने चिंता जाहिर की है। लालू यादव ने ट्वीट कर कहा, 13 दिनों में 7 रेल दुर्घटनाएं! मोदी सरकार ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था के मूलभूत कदम भी नहीं उठा रही है। रेलवे इतनी असुरक्षित हो चुकी है कि ट्रेनों पर चढ़ने से पहले यात्री प्रार्थना करते हैं कि यह यात्रा उनकी अंतिम यात्रा ना हो। रेल के डिब्बे आज चलते फिरते ताबूत बनकर रह गए हैं।

उधर, दक्षिण पूर्व रेलवे के सीपीआरओ ओम प्रकाश ने बताया कि 80 प्रतिशत यात्रियों को बस से चक्रधरपुर स्टेशन ले जाया जा चुका है। वहीं बाकी, 20 प्रतिशत यात्रियों को स्पेशल ट्रेन से चक्रधरपुर भेजा गया है।

इस दुखद ट्रेन दुर्घटना पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घायलों के इलाज के लिए समुचित व्यवस्था करे।

इस पर डीसी के द्वारा जवाब में कहा कगा कि खरसांवा प्रखंड अंतर्गत पोटो बेड़ा गांव के समीप ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हुई है। जिला प्रशासन सरायकेला खरसांवा द्वारा राहत बचाव कार्य एवं हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। जिला प्रशासन पूर्वी सिंहभूम सभी आवश्यक सहयोग प्रदान के संबंध में सरायकेला खरसांवा जिला प्रशासन के लगातार संपर्क में है।

संसद में भयंकर भिड़ गए अनुराग-राहुल! कहा- मुझे गाली दी, बीजेपी सांसद ने बोले- मैंने किसी का नाम नहीं लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में उस समय हंगामा हुआ जब भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने जाति जनगणना के मुद्दे पर कांग्रेस और राहुल गांधी पर परोक्ष कटाक्ष किया। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर पर केंद्रीय बजट पर चर्चा के दौरान लोकसभा के अंदर उनका अपमान करने और दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया। ठाकुर के इस तंज पर कि जिनकी जाति का पता नहीं है, वे जाति जनगणना के बारे में बात करते हैं, गांधी ने कहा कि जो भी आदिवासी, दलित और पिछड़ों के मुद्दे उठाता है, उसे गाली दी जाती है। भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने कहा कि मैंने कहा था कि जो जाति के बारे में नहीं जानता, वह जनगणना की बात करता है। मैंने किसी का नाम नहीं लिया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि जो भी आदिवासी, दलित और पिछड़े के मुद्दे उठाता है, उसे गाली दी जाती है। मैं इन गालियों को खुशी-खुशी स्वीकार करूंगा अनुराग ठाकुर ने मुझे गाली दी है और मेरा अपमान किया है। लेकिन मैं उनसे कोई माफी नहीं चाहता। मैं इन गालियों को खुशी से स्वीकार करूंगा...अनुराग ठाकुर ने मुझे गालियां दी हैं और मेरा अपमान किया है। लेकिन मैं उनसे कोई माफी नहीं चाहता। राहुल गांधी ने ठाकुर के भाषण को बीच में रोकते हुए कहा कि आप जितना चाहें मेरा अपमान कर सकते हैं, लेकिन आपको यह नहीं भूलना चाहिए कि हम संसद में जाति जनगणना विधेयक पारित कराएंगे। लोकसभा की कार्यवाही की अध्यक्षता कर रहे जगदंबिका पाल ने सदन को व्यवस्थित करने की कोशिश की। हालाँकि, सांसद अपना असंतोष व्यक्त करते रहे। शोर-शराबे के बीच राहुल गांधी ने कहा कि इस देश में जो भी दलितों के लिए बोलता है, उनके लिए लड़ता है, उन्हें दूसरों से गालियां खानी पड़ती हैं. मैं सारी गालियां खुशी-खुशी खा लूंगा...महाभारत में अर्जुन की तरह, मैं सिर्फ देख सकता हूं% मछली की आँख, हम जातीय जनगणना करा देंगे, आप मुझे जितनी बार चाहें गाली दे सकते हैं।

समिति सदस्य मोहंती ने जताई आशंका: जगन्नाथ पुरी मंदिर का खजाना हो गया चोरी?

भुवनेश्वर (एजेंसी)। पुरी जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की देखरेख के लिए सरकार की तरफ से नियुक्त गई समिति के एक सदस्य ने यह शक जताया है। उन्होंने आशंका जताई कि पहले कीमती सामान चुराने के लिए नकली चाबियों का इस्तेमाल किया जाता था। दरअसल वर्ष 2018 में इस रत्न भंडार की असली चाबियां गायब हो गई थी। इसके बाद पुरी प्रशासन ने दो नकली चाबियां बनवाई थी। हालांकि 14 जुलाई को जब रत्न भंडार खोलने की कोशिश की गई, तो इन चाबियों ने काम ही नहीं किया। इसके बाद समिति के सदस्यों को रत्न भंडार के अंदरूनी कक्ष के तीनों ताले तोड़ने पड़े थे।

रिटायर्ड आईएएस अधिकारी मोहंती ने बताया कि उन्होंने बैठक में यह मुद्दा उठाया। हालांकि, उन्होंने कहा कि समिति और सरकार को आपराधिक जांच शुरू करने की सिफारिश करने का अधिकार नहीं है। मोहंती ने कहा, 'मंदिर प्रशासन सरकार को हमारे संदेह के बारे में बता सकता है।' उन्होंने कहा कि 14 जुलाई को आंतरिक कक्ष के भीतर कुछ बक्से खुले हुए पाए गए थे। अंदरूनी कक्ष में लकड़ी की तीन अलमारियां, एक स्टील की अलमारी, दो लकड़ी के संदूक और एक लोहे का संदूक था। मंदिर प्रशासन के सूत्रों ने बताया कि सिर्फ लकड़ी की एक अलमारी ही बंद मिली।

बता दें कि इस पैनल के अध्यक्ष विश्वनाथ रथ की अध्यक्षता में सोमवार को पुरी में बैठक हुई थी, जिसके बाद समिति के सदस्य जगदीश मोहंती ने ये सनसनीखेज आरोप लगाए। अंग्रेजी अखबार में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, मोहंती ने बैठक के बाद कहा, 'नकली चाबियों के काम न करने के बाद ताले तोड़े गए, इससे यह साफ होता है कि आपराधिक मकसद और कीमती सामान चुराने की मंशा थी। नकली चाबी का मुद्दा एक धोखा था, क्योंकि चोरी की कोशिश से इनकार नहीं किया जा सकता है।' 11 मई को ओडिशा में एक चुनावी रैली के दौरान, पीएम मोदी ने नकली चाबियों को लेकर पिछली बीजद सरकार पर जमकर निशाना साधा था। पीएम मोदी ने सवाल किया था, 'असली चाबियों का गायब होना एक गंभीर मामला है और नकली चाबियों की मौजूदगी और भी चिंताजनक है। क्या नकली चाबियों का इस्तेमाल भगवान के आभूषणों को हड़पने के लिए किया जाता था?'

थानेदारों से मंथली वसूली मामला तत्कालीन एसपी सहित 15 बरी

वकील ने एसीबी का प्री-प्लान क्राइम बताया, तत्कालीन एसपी बोले- गलत तथ्य पर केस किया था दर्ज

द पुलिस पोस्ट

अजमेर। अजमेर में थानेदारों से मंथली वसूली करने के मामले में तत्कालीन एसपी राजेश मीणा, एएसपी लोकेश सोनवाल सहित 9 सीआई, 2 एसआई और 2 अन्य आरोपी को बरी कर दिया गया है। मामला 2013 का है, जब एसीबी ने सभी को आरोपी बनाया था। अजमेर भ्रष्टाचार निरोधक की डेजिग्नेटेड कोर्ट ने मामले में आज फैसला सुनाया है। फैसले के बाद आरोपियों के वकील ने इसे एसीबी का प्री-प्लान क्राइम बताया। वहीं तत्कालीन एसपी राजेश मीणा ने कहा कि ये गलत तथ्य के आधार पर बनाया गया केस था। राजेश मीणा वर्तमान में पुलिस मुख्यालय में सिक्योरिटी आईजी है वहीं लोकेश सोनवाल वर्तमान में लालसोट एडिशनल एसपी है।

आरोपियों के वकील बोले- प्लान किया गया क्राइम था

कोर्ट के फैसले के बाद आरोपियों के वकील अनिल सक्सेना ने कहा- यह ट्रैप नहीं था बल्कि प्लान किया गया क्राइम था। भारत के इतिहास में यह पहला मामला होगा, जिसमें बिना रोज नामचा और एफआईआर के टीम अजमेर आ गई। हम एसीबी अफसरों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। मामले में बरी होने के बाद तत्कालीन अजमेर एसपी आईपीएस राजेश मीणा ने कहा- गलत तथ्य के आधार पर बनावटी, मिथ्या और साक्ष्य विहीन केस दर्ज किया गया। शुरू से ही न्यायपालिका पर विश्वास था कि दूध का दूध और पानी का पानी होगा।

आखिरकार वही हुआ लेकिन इस लंबी अवधि में जो मानसिक पीड़ा ली , उसे बताया नहीं जा सकता। आज यह तय हो गया है कि सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं। एडिशनल एसपी लोकेशन सोनवाल ने कहा- 11 साल 7 माह पुराना यह कोई सामान्य मुकदमा नहीं, बल्कि जातीय वैमनस्यता का मुकदमा है । यह संविधान की ताकत है कि वक्त लगा लेकिन न्याय मिला।

सभी 15 आरोपी बरी

मामला 2 जनवरी 2013 का है, जिसमें एसीबी ने तत्कालीन एसपी राजेश मीणा और दलाल जोधपुर निवासी रामदेव ठठेरा को दो लाख पांच हजार रुपए के साथ गिरफ्तार किया था। एसीबी ने जांच के बाद आरोप-पत्र पेश किया था, जिसमें तत्कालीन एएसपी लोकेश सोनवाल, तत्कालीन सीआई अशोक विश्नोई, रविन्द्र यादव, बंशीलाल, खान मोहम्मद, हनुमान सिंह, सुनील विश्नोई, जयपाल धारणियां, गोपाल लाल, प्रमोद स्वामी, संजय शर्मा, कुशाल राम, रामदेव ठठेरा और हेमन्त जैन को भी आरोपी माना था। मामले में बचाव पक्ष की अंतिम बहस पूरी होने के बाद फैसले के लिए 30 जुलाई की तारीख तय थी। वहीं अभियोजन की ओर से प्रस्तुत एक अर्जी पर सोमवार को ही सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने आज फैसला सुनाते हुए सभी15 आरोपियों को बरी कर दिया है। अभियोजन पक्ष की ओर से 90 गवाह और 330 दस्तावेज पेश किए गए।

इन्होंने की पैरवी

प्रकरण में अभियोजन की पैरवी सहायक निदेशक (अभियोजन) डायमंड सिंह, आरोपियों की पैरवी एडवोकेट अनिल नाग, अनिल सक्सेना, प्रणव सोम सक्सेना, अशोक बाटेड़, उमरदान लखावत, राकेश ठाड़ा व मनीष तंवर ने पैरवी की।

2 जनवरी 2013 का है मामला

थानेदारों से मंथली वसूली प्रकरण में एसीबी ने तत्कालीन एसपी राजेश मीणा और दलाल जोधपुर निवासी रामदेव ठठेरा को 2 जनवरी 2013 को एक थैली में रखे दो लाख पांच हजार रुपए के साथ गिरफ्तार किया था। इसके बाद 3 जनवरी 2013 को तत्कालीन एएसपी लोकेश सोनवाल उन्हें सेशन कोर्ट में लेकर उपस्थित हुए थे। तत्कालीन एसपी राजेश मीणा की पैरवी कर रहे तत्कालीन जिला बार अध्यक्ष राजेश टण्डन की उपस्थिति में एसीबी ने मीणा को पुलिस रिमांड पर सौंपने का प्रार्थना-पत्र कोर्ट में पेश किया था। उन्होंने अन्य आरोपी तक पहुंचने के लिए तत्कालीन एएसपी लोकेश सोनवाल का नाम लिया था। इसकी सूचना सोनवाल को मिल गई और वे फरार हो गए थे। फरारी के दौरान उन्होंने उनके विरुद्ध दर्ज एफआईआर निरस्त करवाने और अग्रिम जमानत प्राप्त करने की कोशिश की थी। इसके बाद वे हाईकोर्ट के निर्देश पर कोर्ट में समर्पण करने आए थे लेकिन कोर्ट पहुंचने से पहले ही एसीबी ने गिरफ्तार कर लिया था।

एसीबी ने फोन कॉल किया था रिकॉर्ड

एसीबी ने विभागीय स्तर पर तत्कालीन एसपी राजेश मीणा, एएसपी लोकेश सोनवाल और दलाल ठठेरा के फोन इंटरसेप्सन पर रखकर बातचीत को रिकॉर्ड करना शुरू कर दिया था। मंथली वसूली का काम कर रहे कर्मचारी ने ठठेरा को हर महीने की एक से पांच तारीख तक उक्त वसूली करने की जानकारी दी थी। इसके बाद जोधपुरी सफारी पहनकर रामदेव ठठेरा वाल्वो बस से अजमेर से आया था, जिसकी सूचना एसीबी को थी। वह बस से उतरकर सीधा बस स्टेंड पुलिस चौकी गया और एएसआई भागीरथ सिंह से मिला।

उसने अपनी थैली से प्रसाद निकालकर भागीरथ और वहां उपस्थित सिपाही मोतीराम को दिया। इसके बाद एएसपी सोनवाल के घर पहुंचाने के लिए कहा। सिपाही मोतीराम दलाल ठठेरा को बाइक पर बैठाकर ले गया और सोनवाल के मकान के बाहर छोड़कर आ गया।

दलाल सोनवाल के मकान में गया और कुछ देर बाद बाहर निकला। वह पास ही स्थित आरपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष हबीब गौरान से भी मिलने चला गया। वहां कुछ देर रुकने के बाद एएसपी सोनवाल के ऑफिस पहुंचा। वहां से कई बार बाहर निकला और थानेदारों से मुलाकात करते हुए वापस ऑफिस के अंदर जाकर बैठ गया। ठठेरा पर आरोप था कि वह थानेदारों से मंथली लेकर कुल रुपए के दो लिफाफे बनाता है और एक लिफाफा एसपी मीणा को और एक लिफाफा एएसपी सोनवाल को देता है।

2.05 लाख रुपए सहित पकड़ा था

ठठेरा सोनवाल के ऑफिस से उनकी विभागीय कार में बैठकर एसपी राजेश मीणा के घर पर पहुंचा था। उसके वहां बैठने के कुछ ही देर में एसीबी टीम पहुंच गई। टीम ने वहां से रामदेव ठठेरा और राजेश मीणा को एक थैली में रखे 2 लाख 5 हजार रुपए नकद और ठठेरा के जेब में रखी विभिन्न थानों के नाम में अंक लिखे पर्चियों सहित गिरफ्तार किया था।

पचपदरा रिफाइनरी में पत्थरबाजी,2 बसें, कई गाड़ियां तोड़ी:मजदूर की मौत के बाद हंगामा

मेन गेट जाम किया, कई घंटों तक फंसे रहे कर्मचारी

द पुलिस पोस्ट

बालोतरा। बालोतरा जिले के पचपदरा में रिफाइनरी में पाइप लाइन के नीचे दबने से मजदूर की मौत के बाद हंगामा हो गया। मौत की सूचना मिलने पर परिजन व आसपास के ग्रामीणों ने रिफाइनरी के मेन गेट को बंद कर दिया। इससे बड़ी संख्या में कर्मचारी अंदर ही फंस गए। गुस्साए लोगों ने शिफ्ट के दौरान मजदूरों को लाने-ले जाने वाली 2 बसों, बोलेरो कैंपर और बाइकों में तोड़फोड़ कर दी। हादसा सोमवार शाम 7.30 बजे हुआ। धरना-प्रदर्शन की सूचना पर एएसपी धर्मेंद्र यादव और एसडीएम राजेश विश्नोई मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल और मैनेजमेंट से बात कर धरना खत्म करवाया।

1000 हजार से ज्यादा मजदूरों ने किया प्रदर्शन

पचपदरा थानाधिकारी अमराराम खोखर ने बताया कि शाम करीब 7:30 बजे रिफाइनरी के अंदर एक निर्माण साइट पर पाइप लाइन बिछाने का काम चल रहा था। पाइप बिछाते वक्त नासिर खान (30) पुत्र रहमत खां निवासी रिछोली (बालोतरा) के ऊपर एक पाइप गिर गया। घायल को बालोतरा के अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रात 10 बजे नासिर की मौत की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीणों ने रिफाइनरी के गेट पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने कंपनी के सभी गेट जाम कर दिए।

एक-दूसरे पर की पत्थरबाजी

रात करीब रात 11 बजे तक जब गेट नहीं खुला तो अंदर फंसे मजूदरों व कर्मचारियों ने बाइक, बोलेरो कैंपर और दो बसों में तोड़फोड़ कर दी। इस दौरान एक एंबुलेंस भी अंदर फंस गई। इसके बाद बाहर खड़े श्रमिकों व ग्रामीणों ने भी पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। आमने-सामने हुई पत्थरबाजी में दो-तीन लोगों के सिर में चोट आई। पुलिस ने 3 नंबर गेट पर पहुंचकर हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को हटाया और गेट खुलवाकर मजदूरों को पैदल ही बाहर निकाला। मजदूरों को निकालने के बाद पुलिस ने रिफाइनरी के सभी गेट दोबारा बंद करा दिए। प्रशासन व पुलिस अधिकारियों ने एचपीसीएल व कंपनी अधिकारियों के साथ रात करीब 1.30 बजे तक बात की। इसके बाद बनी सहमति में परिजनों को 20 लाख का चेक, सरकारी योजनाओं के तहत लाभ व एक सदस्य को रिफाइनरी में नौकरी देने का वादा किया गया।

सुरक्षा में लापरवाही के आरोप

सरंपच संघ के कार्यकारी अध्यक्ष रोशन अली ने कहा कि हमारा धरना इस बात को लेकर है कि रिफाइनरी में श्रमिकों की सुरक्षा का ध्यान नहीं दिया जाता है। अंदर पाइप बिछाने का काम चल रहा था। हाइड्रा मशीन के जरिए ही पाइप की सेटिंग की जाती है, लेकिन रिफाइनरी प्रशासन ने जेसीबी के जरिए बिना बेल्ट इस्तेमाल किए पाइपों को सेट करने का काम किया। इस दौरान मजदूर पर पाइप गिर गया। मजदूर की मौत के बाद भी रिफाइनरी प्रशासन की ओर से एंबुलेंस की व्यवस्था नहीं की गई। एक निजी गाड़ी में शव डालकर सरकारी अस्पताल में छोड़ कर आ गए।

नाथद्वारा में 37 दिन में बनी बिल्डिंग गिरी,4 की मौत:9 गंभीर घायल; तहसीलदार बोले अवैध निर्माण था

द पुलिस पोस्ट

नाथद्वारा-राजसमंद। राजसमंद जिले के नाथद्वारा में सामुदायिक भवन की निमार्णाधीन छत गिरने से चार ग्रामीणों की दबने से मौत हो गई। यहां 15 अगस्त को होने वाले कार्यक्रम को लेकर गांव के 13 लोग साफ-सफाई करने आए थे। इस बिल्डिंग के सभी लैंटर सोमवार शाम को ही हटाए गए थे। घटना नाथद्वारा के चिकलवास गांव में सोमवार रात 11 बजे हुई। हादसे की सूचना पर जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम ने करीब 5 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन कर 9 लोगों को मलबे से निकाला। सभी की हालत गंभीर है। इन्हें नाथद्वारा के लालबाग हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। नाथद्वारा के तहसीलदार का कहना है कि चारागाह की जमीन पर अतिक्रमण कर सामुदायिक भवन बनाया गया था। इसका निर्माण कार्य 22 जून से शुरू हुआ था। स्ट्रक्चर लगभग 300 वर्ग गज में बनाया गया था। पिलर्स पर आरसीसी की छत डाली गई थी। दीवार नहीं बनाई थी। पिलर भी ईंटों के थे।

राम-रसोड़ा कार्यक्रम की तैयारी कर रहे थे

पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया- मेघवाल समाज ने सामुदायिक भवन का निर्माण कराया है। यहां 15 अगस्त को राम-रसोड़ा कार्यक्रम होना था। इसके तहत रामदेवरा जाने वाले पैदल यात्रियों के लिए भोजन का प्रबंध किया जाना था। कार्यक्रम की तैयारियों के लिए समाज के लोग यहां पहुंचे थे। इसी दौरान रात 11 बजे तेज धमाके के साथ भवन की छत लोगों पर गिर पड़ी। 13 लोग दब गए। 3 लोगों के शव रात 1 बजे तक निकाल लिए गए थे। एक अन्य व्यक्ति का शव रात 3 बजे निकाला गया। हादसे में मेघवाल बस्ती निवासी भगवती लाल (35) पुत्र रोड़ी लाल मेघवाल, शांति लाल (40) पुत्र नारू लाल मेघवाल, कालू लाल (41) पुत्र वेणी राम मेघवाल और भंवर लाल (52) पुत्र लच्छी राम मेघवाल की मौत हो गई। सुबह 4 बजे तक बाकी 9 लोगों को भी घायल हालत में निकाल लिया गया। भगवतीलाल चित्तौड़गढ़ जिले के भोपालसागर में एलडीसी के पद पर कार्यरत थे। शांतिलाल, कालूलाल और भंवरलाल चिनाई मिस्त्री का काम करते थे।

तहसीलदार बोले- अवैध निर्माण था, जल्दबाजी का नतीजा है हादसा

तहसीलदार भानु प्रताप सिंह ने बताया- चिकलवास गांव में सामुदायिक भवन चरनोट (चारागाह) आराजी नं. 505 की जमीन पर बनाया गया था। यह रास्ते की जमीन थी। 24 जून को गांव के वार्ड पंच हीरा लाल सालवी, भोली राम सालवी और सायों खेड़ा सरपंच ने अतिक्रमण कर मंदिर बनाने की शिकायत नाथद्वारा एसडीएम से की थी। उसी दिन मौके पर पटवारी को भेजा गया गया। उसने रिपोर्ट में बताया था कि दो दिन पहले यानी 22 जून को निर्माण कार्य चालू किया गया था। छत डालने के लिए मौके पर मिट्टी, रेती और बांस की लकड़ियां पड़ी मिली थीं। चबूतरे पर छत डालने के लिए बांस की लकड़ियों का स्ट्रक्चर खड़ा किया गया था। पटवारी ने मौके पर पहुंचकर लोगों को सरकारी जमीन पर निर्माण न करने के लिए पाबंद किया था और निर्माण कार्य रुकवाया था। प्रशासन की ओर से नोटिस भी दिए गए थे। लेकिन, कुछ दिन बाद ही निर्माण को तेज गति से पूरा करते हुए 20 दिन पहले आरसीसी की छत डाल दी गई। तीन दिन पहले से छत के नीचे से बल्लियों का सपोर्ट हटाया जा रहा था। सोमवार शाम तक करीब पूरा सपोर्ट हटा दिया गया था। अवैध निर्माण को लेकर नाथद्वारा तहसीलदार कोर्ट में इसकी सुनवाई भी चल रही है। 25 जुलाई को सुनवाई हुई थी। इस दौरान अवैध निर्माण को हटाने के लिए 5 अगस्त तक का समय दिया गया था। सिर्फ ईटों के पिलर बनाकर उसके ऊपर आरसीसी की छत डाल दी गई थी। छत का सपोर्ट हटते ही हादसा हो गया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक उपेन्द्रसिंह राठौड़, अम्बर ऑफसेट प्रा.लि.डीएल टॉवर, 3ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र जेएलएन मार्ग जयपुर से मुद्रित एवं भू-तल ऑरबिट मॉल, सिविल लाइंस, जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित, 99280-96524, पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, अनिल मलिक (सहसंपादक) 8696750000, पंकज गर्ग (प्रबंध संपादक) 01482-455184, 9214417111